एक कहानी कई रंग–**2** ः

नीली दाढ़ी वाला जैसी कहानियॉ

संकलन और अनुवाद
सुषमा गुप्ता

2022

Book Title: Neeli Dadhi Wala Jaisi Kahaniyan (Bluebeard Like Stories)
Cover Page picture : Wife Opening the Room
Published Under the Auspices of Akhil Bhartiya Sahityalok

E-Mail: hindifolktales@gmail.com
Website: www.sushmajee.com/folktales/index-folktales.htm

Copyrighted by Sushma Gupta 2018
No portion of this book may be reproduced or stored in a retrieval system or transmitted in any form, by any means, mechanical, electronic, photocopying, recording, or otherwise, without written permission from the author.

Map of the World

विंडसर, कैनेडा

2022

Contents

एक कहानी कई रंग 5
नीली दाढ़ी वाला जैसी कहानियॉ 7
1 नीली दाढ़ी वाला 9
2 नीली दाढ़ी वाला राजा 20
3 नीली दाढ़ी वाला–2 26
4 शैतान ने तीन बहिनों से शादी कैसे की 28
5 फ़िचर की चिड़िया 36
6 चुना हुआ उम्मीदवार 44
7 एक ब्राह्मण लड़की जिसने चीते से शादी की 49
8 बन्द कमरा 64
9 नीली दाढ़ी वाला–औवर्न का एक चरित्र 71
10 सुनहरी दाढ़ी वाला नाइट 78

एक कहानी कई रंग

लोक कथाओं के महत्व को ध्यान में रखते हुए कुछ समय पहले हमने संसार के सब देशों से कुछ लोक कथाऐं संकलित की थीं। उनको हमने "देश विदेश की लोक कथाऐं" सीरीज़ में प्रकाशित किया था। वे कथाऐं जब काफी संख्या में इकट्ठी हो गयीं, करीब करीब **2000**, तो उनमें एक तस्वीर देखी गयी। वह थी कि उनमें से कुछ कहानियॉ एक सी थीं और आपस में बहुत मिलती जुलती थीं।

तो लोक कथाओं की एक और सीरीज़ शुरू की गयी और वह है "एक कहानी कई रंग"। कितना अच्छा लगता है जब एक ही कहानी के हमें कई रूप पढ़ने को मिलते हैं। इन पुस्तकों में कुछ इसी तरह की कहानियॉ दी गयी हैं। सबसे पहले इसमें सबसे ज़्यादा लोकप्रिय कहानी दी गयी है और उसके बाद ही उसके जैसी दूसरी कहानियॉ दी गयी हैं जो दूसरी जगहों पर पायी जाती हैं। हम यह दावा तो नहीं करते कि हम वैसी सारी कहानियॉ यहॉ दे रहे हैं पर हमारी कोशिश यही रहेगी कि हम वैसी ज़्यादा से ज़्यादा कहानियॉ एक जगह इकट्ठा कर दें।

इस सीरीज़ में बहुत सारी पुस्तकें हैं जो यह बताती हैं कि केवल **2–4** कहानियॉ ही ऐसी नहीं हैं जो सारे संसार में कई जगह पायी जाती हों बल्कि बहुत सारी कहानियॉ ऐसी हैं जो अपने अपने तरीके से भिन्न भिन्न जगहों पर कही सुनी जाती हैं। इनमें सिन्डरैला, टाम थम्ब. बिल्ला और चुहिया, सोती हुई सुन्दरी, छह हंस[1] आदि मशहूर कहानियॉ दी गयी हैं।

इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि ये सब लोक कथाऐं हर वह आदमी पढ़ सके जो थोड़ी सी भी हिन्दी पढ़ना जानता हो और उसे समझता हो। ये कथाऐं यहॉ तो सरल भाषा में लिखी गयी है पर इनको हिन्दी में लिखने में कई समस्याऐं आयी है जिनमें से दो समस्याऐं मुख्य हैं।

एक तो यह कि करीब करीब **95** प्रतिशत विदेशी नामों को हिन्दी में लिखना बहुत मुश्किल है चाहे वे आदमियों के हों या फिर जगहों के। दूसरे उनका उच्चारण भी बहुत ही अलग तरीके का होता है। कोई कुछ बोलता है तो कोई कुछ। इसको साफ करने के लिये इस सीरीज़ की सब किताबों में फुटनोट्स में उनको अंग्रेजी में लिख दिया गया हैं ताकि कोई भी उनको अंग्रेजी के शब्दों की सहायता से कहीं भी खोज सके। इसके अलावा और भी बहुत सारे शब्द जो हमारे भारत के लोगों के लिये नये हैं उनको भी फुटनोट्स और चित्रों द्वारा समझाया गया है।

ये लोक कथाऐं आप सबका मनोरंजन तो करेंगी ही साथ में यह जानने की प्रेरणा भी देंगी कि एक ही तरह की कहानी किस तरह से दूसरे देशों में पहुॅची। आशा है कि हिन्दी साहित्य जगत में इनका भव्य स्वागत होगा।

सुषमा गुप्ता
2022

[1] Cinderella, Tom Thumb, Cat and Rat, Sleeping Beauty, Six Swans etc stories

नीली दाढ़ी वाला जैसी कहानियॉ

क्या तुमने कभी नीली दाढ़ी वाले का नाम सुना है? नहीं तो। तो क्या कभी किसी ने किसी की नीली दाढ़ी देखी है? नहीं तो। अगर तुम्हें कभी कहीं कोई नीली दाढ़ी वाला मिल जाये तो क्या तुम डर जाओगे? हॉ अगर डरेंगे नहीं तो कम से कम उसको देखने में अजीब सा तो जरूर ही लगेगा। और लड़कियों अगर तुमसे किसी नीली दाढ़ी वाले से शादी करने को कहा जाये तो तुम क्या करोगी? हम तो वहॉ से भाग ही जायेंगी।

हमने तुम्हारे मनोरंजन के लिये एक नयी सीरीज़ शुरू की है "एक कहानी कई रंग"। इसमें वे कथाऐं शामिल की गयीं हैं जो सुनने में एक सी लगती हैं पर अलग अलग जगहों पर अलग अलग तरीके से कही सुनी जाती हैं। बच्चों जैसे तुम लोग कहानियॉ सुनते हो वैसे ही दूसरे देशों में भी वहॉ के बच्चे कहानियॉ सुनते हैं। क्योंकि कहानियॉ हर समाज की अलग अलग होती हैं इसलिये उन बच्चों की कहानियॉ भी तुम्हारी कहानियों से अलग हैं।

इस सीरीज़ में, यानी "एक कहानी कई रंग" की सीरीज़ में, इससे पहले हमने एक पुस्तक प्रकाशित की है। और वह पुस्तक थी "बिल्ला और चूहा जैसी कहानियॉ"।

अब प्रस्तुत है इस सीरीज़ की दूसरी पुस्तक "नीली दाढ़ी वाला जैसी कहानियॉ"। नीली दाढ़ी वाला फ्रांस की एक बहुत ही मशहूर लोक कथा है जो सबसे पहले फ्रैन्च में **1697** में लिखी गयी थी। इसका अंग्रेजी अनुवाद ऐन्ड्रू लैंग ने **1889** में किया। आज यह कथा वैसी ही और दूसरी कथाओं के साथ हम तुम्हारे लिये हिन्दी में पहली बार प्रस्तुत कर रहे हैं। तुमको यह जान कर आश्चर्य होगा कि वैसी कथा केवल वहीं नहीं पायी जाती कई और जगहों पर भी कई रूपों में कही सुनी जाती है।

नीली दाढ़ी वाला एक बहुत ही नीच आदमी है जो लड़कियों को पकड़ लेता है और फिर मार भी देता है। हमें इनके तीन प्रकार के रूप मिलते हैं पर यह नाम सच्चे तरीके से केवल एक ही कहानी को दिया जा सकता है। इस तरह की तीन कहानियॉ ग्रिम्स की तीन कहानियॉ हैं – "द फ़ैदर बर्ड", "द रौबर ब्राइडग्रूम" और "द वुड कटर्स चाइल्ड"।[2]

इसके पहले रूप में जो ब्ल्यूबीयर्ड कहानी का असली रूप है दो बहिनें बारी बारी से एक आदमी से शादी करती हैं पर अपने पति द्वारा ही मारी जाती हैं क्योंकि वे अपने पति के मना किये जाने पर भी उसका एक कमरा खोल लेती हैं। सबसे छोटी लड़की उस कमरे को खोलती तो है पर किसी तरह से उसकी यह बात उसका पति नहीं जान पाता सो वह खुद भी बच जाती है और साथ में अपनी बहिनों को भी ज़िन्दा करा लेती है।

इसके दूसरे रूप में एक डाकू कई बहिनों से शादी करता है और उन्हें अपना हुक्म न मानने के लिये मार देता है। उनमें से सबसे छोटी बहिन फिर से मरने से बच जाती है और अपनी मरी हुई बहिनों को भी ज़िन्दा कर लेती है। साधारणतया कहानी के इस रूप में पति जो बहिन बच गयी उससे बदला लेने की कोशिश करता है पर वह इसमें असफल रहता है।

इस कहानी के तीसरे रूप में साधारणतया लड़की किसी भूत या राक्षस के कब्जे में है और वह उसको कोई एक खास दरवाजा खोलने से मना करता है पर वह लड़की उसकी बात नहीं मानती और साथ में अपनी गलती भी नहीं मानती सो उसका अपमान कर के उसे वापस भेज दिया जाता है। बाद में वह शादी कर लेती है तो उसके बच्चे एक एक कर के उससे ले लिये जाते हैं जब तक कि वह यह स्वीकार नहीं कर लेती कि हॉ उसने दरवाजा खोला था। या फिर वह आखीर तक मना करती ही रहती है।

---

[2] Grimm's three stories – (1) "The Feather Bird" – No 46, (2) "The Robber Bridegroom" – No 40 and (3) "The Woodcutter's Child" – No 3.

अगर इन कहानियों के अलावा भी तुम और कोई ऐसी कहानी जानते हो तो हमें जरूर लिखना। हम उसको इसके अगले आने वाले संस्करण में शामिल करने का प्रयास करेंगे। इन सभी पुस्तकों में सबसे पहले मूल कहानी दी गयी है फिर उसके बाद वैसी ही दूसरे देशों में कही जाने वाली कहानियॉ कही गयीं हैं।

इस पुस्तक में हमने तुम्हारे लिये वैसी ही कुछ कथाऐं इकट्ठी कर के यहॉ रखी हैं। तो लो पढ़ो नीली दाढ़ी वाला और वैसी ही कुछ और कहानियॉ अब हिन्दी में...

1 नीली दाढ़ी वाला[3]

एक बार की बात है कि एक आदमी था जिसके पास शहर और गॉव दोनों जगह बहुत शानदार शानदार घर थे। बहुत सारी सोने चॉदी की प्लेटें थीं। कढ़ाई किया गया फर्नीचर था। और गाड़ियॉ थीं जो पूरी की पूरी सोने से ढकी हुई थीं।

पर यह आदमी बहुत ही बदकिस्मत था क्योंकि इसकी दाढ़ी नीली थी। इस नीली दाढ़ी की वजह से वह बहुत ही डरावने रूप से बदसूरत लगता था। उससे सारी स्त्रियॉ और लड़कियॉ दूर भागती थीं।

उसकी एक पड़ोसन थी जो बहुत ही तरीके वाली थी। उसके दो बेटियॉ थीं और दोनों बहुत सुन्दर थीं। वह उनमें से किसी एक से शादी करना चाहता था जो कोई भी उससे शादी करना चाहे।

पर उन दोनों में से कोई भी उससे शादी नहीं करना चाहती थी। उनमें से एक कभी दूसरी के पास भेज देती और कभी दूसरी पहली के पास भेज देती। क्योंकि वे यह सोच भी नहीं सकती थीं

[3] Bluebeard – a folktale from France, Europe. Taken from the Web Site : https://sites.pitt.edu/~dash/type0312.html
Taken from the book: Andrew Lang, "The Blue Fairy Book". London : Longmans Green and Company. 1891 (First published in 1889).
[Lang has taken it from Charles Perrault. "Histoires ou contes du temps passe avec des moralites". 1697.]

कि वह किसी ऐसे आदमी से शादी करेंगी जिसकी दाढ़ी नीली होगी।

इसके ऊपर से उन लोगों को उससे एक समस्या यह भी थी कि उसकी कई शादियॉ हो चुकी थीं और उनमें से किसी का किसी को पता नहीं था कि उनका क्या हुआ।

नीली दाढ़ी वाला उनका प्यार पाने के लिये उनको उनकी मॉ उनकी जानने वाली तीन चार और दूसरी स्त्रियों और कुछ पड़ोसिनों के साथ अपने गॉव वाले मकान पर ले गया जहॉ वे सब एक हफ्ता रहे।

इस सारे समय वहॉ खूब दावतें शिकार मछली पकड़ना नाचना गाना होता रहा। कोई सोया ही नहीं बल्कि सारी रात वे सब बातें और हॅसी मजाक करते रहे।

थोड़े में कहो तो यह प्रोग्राम बहुत ही सफल रहा और इतना सफल रहा कि छोटी लड़की तो यह सोचने लगी कि उस आदमी की नीली दाढ़ी अब इतनी नीली भी नहीं थी और वह एक बहुत ही भला आदमी था।

जैसे ही वे घर लौटे तो उन दोनों की शादी हो गयी। करीब करीब एक महीने बाद नीली दाढ़ी वाले ने अपनी पत्नी से कहा कि उसको अपने किसी जरूरी काम से छह हफ्ते के लिये गॉव जाना था।

उसने उससे कहा कि उसकी गैरहाजिरी में वह अपनी दोस्तों और जानने वालों को बुला सकती थी। अगर वह चाहती तो उनको ले कर गॉव जा सकती थी या फिर अगर वह किसी और तरीके से खुश रहना चाहती हो तो उस तरीके से खुश रह सकती थी।

फिर उसने उसको दो बड़ी बड़ी कपड़ों से भरी आलमारियों की चाभियॉ दीं और कहा — "वहॉ मेरा सबसे अच्छा फर्नीचर रखा है। और यहॉ मेरी सोने और चॉदी की प्लेटें रखी हैं जिनको हम रोज में इस्तेमाल नहीं करते हैं।

ये मेरी तिजोरी की चाभियॉ हैं जिनमें मेरा पैसा रखा है और सोना और चॉदी भी। और इस सन्दूकची में मेरे जवाहरात रखे हैं। और यह मेरे सारे कमरों की मास्टर चाभी है। पर जहॉ तक इस छोटी सी चाभी का सवाल है यह चाभी मेरे पहली मंजिल के आखीर में जो बड़ा कमरा है उसके बराबर वाले कमरे की है। तुम उस कमरे को बिल्कुल नहीं खोलना।

तुम किसी भी कमरे में जा सकती हो कोई भी आलमारी खोल सकती हो सिवाय उस छोटे कमरे के जिसको मैंने तुमको खोलने से मना किया है और इस तरीके से खोलने से मना किया है कि अगर तुम उसे खोलोगी तो मैं तुमसे बहुत नाराज हो जाऊॅगा।"

उसकी पत्नी ने वायदा किया कि वह वैसा ही करेगी जैसा उसने उससे करने के लिये कहा है। फिर उसने अपनी पत्नी को गले लगाया अपनी गाड़ी में बैठा और अपनी यात्रा पर चला गया।

उसके पड़ोसी और दोस्तों को इतना इन्तज़ार कहॉ कि वह नयी शादीशुदा जोड़े के बुलावे का इन्तजार करें। वे लोग उसका फर्नीचर आदि सामान देखने का बेसब्री से इन्तजार कर रहे थे। क्योंकि जब तक उसका पति घर में मौजूद था तब तक तो वे उसके घर में आने की हिम्मत ही नहीं कर सकते थे क्योंकि वे उसकी नीली दाढ़ी से बहुत डरते थे।

अब जब उसका पति चला गया तब वे आये तो वे तो सारे कमरे देखने के लिये भागे फिरे। उन्होंने वहॉ रखी सारी आलमारियॉ देखीं। उसके कपड़ों की आलमारी देखीं तो उनको लगा कि उसकी तो हर एक चीज़ दूसरी से अच्छी है।

उसके बाद वे दोनों बड़े कमरों में गये जिनमें उसका सबसे बढ़िया और कीमती फर्नीचर रखा हुआ था। उन कमरों के परदों पलंग काउच आलमारियॉ मेजें शीशे आदि की तारीफ करते तो वे थकते नहीं थे। वे शीशे तो इतने बड़े थे कि वे उनमें अपने आपको उनमें पूरा का पूरा सिर से पैर तक देख सकते थे।

इनमें से कुछ शीशों से जड़े हुए थे कुछ सादे थे और कुछ सुनहरे जड़े हुए थे कि मेहमान लोग उनकी तारीफ के पुल बॉधे जा रहे थे। वे उसकी अमीरी से जले जा रहे थे।

वह खुद भी इन सबको बड़ी तारीफ के साथ देख रही थी। वह इतनी बेसब्र हो गयी थी कि वह पहली मंजिल पर बने बड़े कमरे को भी खोलने चली गयी।

उसको वह कमरा देखने की इतनी ज़्यादा उत्सुकता हुई कि बिना यह सोचे कि मेहमानों को इस तरह अकेले छोड़ कर जाना ठीक नहीं है वह पीछे वाली सीढ़ियों से उतर कर इतनी जल्दी से नीचे चली गयी कि उसकी तो गर्दन टूटते टूटते बची।

वह उस छोटे कमरे के पास आ कर थोड़ी देर के लिये रुकी क्योंकि उसको अपने पति की कही हुई बात याद आ गयी कि यह कमरा उसको नहीं खोलना है पर फिर उसने सोचा कि अगर उसने उनका कहा नहीं भी माना तो ऐसा कौन सा दुखों का पहाड़ टूट पड़ेगा चलो खोलते हैं।

उसकी उत्सुकता इतनी ज़्यादा थी कि वह उसको रोक न सकी। उसने छोटी चाभी निकाली और कॉपते हाथों से उसे खोल दिया।

पहले तो उसे वहॉ कुछ दिखायी नहीं दिया क्योंकि उस कमरे की सब खिड़कियॉ बन्द थीं। कुछ पल बाद उसे कुछ कुछ दिखायी दिया कि उस कमरे का फर्श तो खून से भरा पड़ा था। उस पर वहॉ कई स्त्रियों की लाशें पड़ी हुई थीं जो दीवार के सहारे लगी हुई थीं।

ये लाशें उन सब लड़कियों की थी जिनसे नीली दाढ़ी वाले ने पहले शादी की थी और फिर उनको एक एक कर के मार दिया था।

उसको लगा कि वह तो डर के मारे मर ही जायेगी। उसने ताला खोल कर उसमें से चाभी निकाली तो वह डर के मारे उसके हाथ से गिर पड़ी।

जब वह इस आश्चर्य से ज़रा सा बाहर निकली तो उसने चाभी उठायी ताला बन्द किया और अपनी तबियत सॅभालने के लिये ऊपर अपने कमरे में आ गयी पर इससे कुछ फायदा नहीं हुआ।

उसने देखा कि चाभी पर खून के कुछ धब्बे लग गये थे तो उसने उनको साफ करने के लिये उन्हें कपड़े से पोंछा पर वह धब्बे तो गये नहीं। उसने उनको पानी से धोया यहॉ तक कि साबुन और रेत से भी साफ किया पर सब बेकार।

खून अभी भी चाभी पर लगा हुआ था क्योंकि यह चाभी जादू की चाभी थी सो उस पर से खून हट ही नहीं रहा था। इसलिये वह वह चाभी ही साफ नहीं कर पायी। बड़ी मुश्किल से किसी तरह से उसने उस चाभी के एक तरफ का खून साफ किया तो वह उसके दूसरी तरफ आ गया।

नीली दाढ़ी वाला उसी शाम घर लौटा। उसने बताया कि उसको जाते समय कुछ चिट्ठियॉ मिलीं जिनसे उसे पता चला कि जिस काम को करने के लिये गया था वह ठीक से हो गया था सो अब उसको वहॉ जाने की जरूरत नहीं थी।

उसकी पत्नी ने उसे यह दिखाने की भरपूर कोशिश की कि वह उसके जल्दी आ जाने से बहुत खुश है फिर भीवह मन ही मन डरती ही रही। अगली सुबह उसने उससे अपनी दी हुई चाभियॉ मॉगीं जो उसने उसे तुरन्त ही दे दीं पर देते समय उसके हाथ कॉप रहे थे

जिससे उसको पता चल गया कि उसकी गैरहाजिरी में क्या हुआ था।

उसने पूछा — "यह क्या? इनमें उस कमरे की चाभी तो है ही नहीं जो मैंने तुम्हें और दूसरी चाभियों के साथ दी थी?"

पत्नी बोली — "हो सकता है कि मैं उसे ऊपर वाले कमरे में मेज पर रखी छोड़ आयी हूॅ।"

नीली दाढ़ी वाला बोला — "जल्दी से वह चाभी मुझे ला कर दो।"

कई बार इधर उधर आने जाने के बाद उसको मजबूर हो कर वह चाभी लानी पड़ी। नीली दाढ़ी वाले ने उसे खूब अच्छी तरह से उलट पलट कर देखा और पूछा — "यह इस पर खून कैसा लगा हुआ है?"

यह सुन कर तो वह पीली पड़ गयी और रोते हुए बोली — "मुझे नहीं पता।"

नीली दाढ़ी वाला बोला — "तुम नहीं जानतीं पर मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूॅ। तुम इस कमरे में गयी थीं। बताओ, क्या तुम नहीं गयी थीं? ठीक है अब तुम भी वहीं जाओ जहॉ तुमने औरों को देखा था।"

यह सुन कर वह अपने पति के पैरों पर गिर पड़ी और सच्चा पश्चाताप दिखाते हुए उससे कई बार माफी मॉगी। उसने कसम भी खायी कि वह अबसे फिर कभी उसकी आज्ञा को नहीं टालेगी।

वह इतना रोयी कि उसके रोने से कोई चट्टान भी पिघल जाती। वह इतनी सुन्दर और इतनी दुखी थी लेकिन नीली दाढ़ी वाले का दिल तो किसी चट्टान से भी सख्त था।

वह बोला — "मैम मुझे अफसोस है। तुमको अभी इसी वक्त मरना है।"

उसकी पत्नी बोली — "अगर मुझे अभी मरना है तो कम से कम मुझे इतना समय तो दे दो कि मैं अपनी आखिरी प्रार्थना कर सकूँ।"

नीली दाढ़ी वाला बोला — "दिया। बस केवल **10** मिनट। इससे ज़्यादा एक मिनट भी नहीं।"

जब वह अकेली रह गयी तो उसने अपनी बहिन को बुलाया और उससे कहा — "बहिन ऐने[4]। मैं तुमसे विनती करती हूँ तुम ऊपर जाओ मीनार में सबसे ऊपर और देखो कि मेरे भाई तो नहीं आ रहे हैं। क्योंकि उन्होंने मुझसे वायदा किया था कि आज वे यहॉ आयेंगे। और अगर तुम उनको आते देखो तो उनको कोई इशारा कर के यहॉ जल्दी बुला लो।"

उसकी बहिन ऐने तुरन्त ही मीनार पर सबसे ऊपर चली गयी। दुखी पत्नी बार बार उससे पूछती कि क्या उसको कोई आता दिखायी दे रहा है और वह इधर उधर देख कर बोलती — "मुझे तो

[4] Anne – name of the sister of the wife of Bluebeard

यहॉ से कुछ दिखायी नहीं दे रहा। सूरज के सामने केवल धूल का बादल और हरी घास दिखायी दे रही है।"

इस बीच नीली दाढ़ी वाला अपने हाथ में एक तलवार ले कर आ गया और अपनी पत्नी से अपनी सबसे ऊॅची आवाज में बोला — "तुम जल्दी से नीचे आओ नहीं तो मैं ऊपर आता हूॅ।"

उसकी पत्नी ने जवाब दिया — "मेहरबानी कर के एक मिनट और रुक जाओ।"

फिर उसने अपनी बहिन से पूछा — "बहिन ऐने क्या तुम्हें कोई दिखायी दे रहा है?"

उसकी बहिन ऐने ने फिर वही जवाब दिया — "मुझे तो यहॉ से कुछ दिखायी नहीं दे रहा। सूरज के सामने केवल धूल का बादल और हरी घास दिखायी दे रही है।"

नीली दाढ़ी वाला फिर चिल्लाया — "तुम नीचे आ रही हो या फिर मैं ऊपर आऊॅ?"

उसकी पत्नी ने जवाब दिया — "मैं नीचे आ रही हूॅ।"

उसने फिर अपनी बहिन से पूछा — "बहिन ऐने क्या तुम्हें कोई दिखायी दे रहा है?"

उसकी बहिन ऐने ने जवाब दिया — "हॉ मुझे धूल का एक बहुत बड़ा बादल आता नजर आ रहा है।"

"क्या वह मेरे भाई हैं?"

"अफसोस वह तुम्हारे भाई नहीं हैं वह तो भेड़ों का एक झुंड है।"

नीली दाढ़ी वाला फिर चिल्लाया — "क्या तुम नीचे नहीं आ रहीं?"

पत्नी चिल्लायी — "बस एक मिनट और।"

उसने फिर अपनी बहिन से पूछा — "बहिन ऐने क्या तुम्हें कोई आता दिखायी नहीं दे रहा?"

उसकी बहिन बोली — "हॉ दिखायी दे रहा है। दो घुड़सवार आ तो रहे हैं। पर वे अभी बहुत दूर हैं।"

पत्नी बेचारी खुशी से चीख पड़ी — "भगवान की जय हो। वे मेरे भाई हैं। मैं उनको इशारा कर दूॅगी जिससे वे जल्दी से जल्दी यहॉ आ सकें।"

इसके बाद तो नीली दाढ़ी वाला इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि उसका पूरा मकान हिल गया। दुखी पत्नी नीचे आयी और अपने पति के पैरों पर गिर गयी। वह रो रही थी उसके बाल बिखरे हुए थे।

नीली दाढ़ी वाला बोला — "इस सबका कोई मतलब नहीं है। तुमको मरना ही है।"

एक हाथ से उसके बाल पकड़ते हुए उसने दूसरे हाथ से तलवार उठायी और वह उसकी गर्दन काटने ही वाला था कि वह लड़की उसकी तरफ घूम गयी और उसकी तरफ एक नजर देखा।

नीली दाढ़ी वाला चिल्लाया — "नहीं नहीं। तुम अपने भगवान को याद कर लो।"

और वह तलवार से उस पर वार करने ही वाला था कि फाटक पर इतने ज़ोर से आवाज हुई कि उसका हाथ रुक गया। फाटक खोल दिया गया और दो घुड़सवार घर के अन्दर घुसे।

वे सीधे नीली दाढ़ी वाले की तरफ बढ़े। वह समझ गया कि वे उसकी पत्नी के भाई थे। एक ड्रैगन था और दूसरा मस्कैटीयर[5] था। उनको देखते ही वह उनसे बचने के लिये भागा पर वह मकान के केवल बाहर तक ही निकल पाया कि दोनों भाइयों ने उसे पकड़ लिया और अपनी तलवारों से उसे मार दिया।

पत्नी बेचारी खुद भी अपने पति की तरह ही मरी सी हो रही थी। उसके अन्दर इतनी भी ताकत नहीं थी कि वह अपने भाइयों का ठीक से स्वागत भी कर पाती।

नीली दाढ़ी वाले का कोई वारिस नहीं था सो उसकी सब सम्पत्ति की वारिस उसकी पत्नी हो गयी। उसने उस पैसे में से अपनी बहिन ऐने की शादी एक भले आदमी से करा दी जो उसको बहुत दिनों से प्यार करता था।

और बाकी बचे पैसे से अपनी शादी एक भले आदमी से कर ली जिसने उसको नीली दाढ़ी वाले के साथ उसका बिताया समय भुला देने में बहुत सहायता की।

[5] Musketeer is a soldier equipped with muscat – a kind of spcial gun.

2 नीली दाढ़ी वाला राजा[6]

नीली दाढ़ी वाला जैसी यह कहानी जर्मनी में कही सुनी जाती है। यह एक जरनल में प्रकाशित हुई थी जो **1852** में प्रकाशित हुआ था।

एक बार एक बहुत बड़े जंगल के बराबर में एक बूढ़ा रहता था। उसके तीन बेटे और दो बेटियॉ थे। एक बार ऐसे ही वे सब एक साथ बैठे हुए थे कि उनके पास से एक गाड़ी गुजरी और वहीं उनके घर के सामने आ कर रुक गयी।

एक शानदार भला आदमी उस गाड़ी में से उतरा घर में घुसा और पिता और उसकी बेटियों से बात करने लगा। क्योंकि उसको छोटी वाली बेटी पसन्द आ गयी थी तो उसने पिता से पूछा कि क्या वह उसकी छोटी बेटी से शादी कर सकता है।

उसके पिता को लगा कि यह एक बहुत अच्छा रिश्ता रहेगा। उसकी बड़ी इच्छा थी कि वह अपने जीते जी अपनी बेटियों की शादी कर के सन्तुष्ट हो जाये। और यह अच्छा मौका था।

[6] King Bluebeard – a folktale from Germany, Europe. Taken from the Web Site : https://sites.pitt.edu/~dash/type0312.html
Taken from the Journal: Ernst Meier, “Konig Blaubart”. Deutsche Volksmarchen aus Schwaben : aus dem Munde des volks Gesammelt. 1852. No 38. Translated by DL Ashliman, 1999.

पर लड़की किसी तरह से नहीं मानी क्योंकि इस अजनबी नाइट[7] की पूरी की पूरी दाढ़ी नीली थी जिसकी वजह से जब भी वह उसकी तरफ देखती वह डर के मारे कॉप कॉप जाती थी।

उसने अपने भाइयों से पूछा जो खुद भी बहुत बहादुर नाइट्स थे। भाइयों ने सोचा कि उसको उस नीली दाढ़ी वाले से शादी कर लेनी चाहिये। उन्होंने उसको एक छोटी सी सीटी दी और कहा — "अगर यह तुमको कभी भी कोई भी धमकी दे तो यह सीटी बजा देना हम तुम्हें बचाने के लिये आ जायेंगे।"

सो उसने उस नीली दाढ़ी वाले से शादी के लिये हॉ कर दी पर उसने यह भी इन्तजाम कर दिया कि जब वह नीली दाढ़ी वाले के साथ उसके किले जायेगी तो उसकी बहिन भी उसके साथ जायेगी।

अब जब लड़की अपने पति के घर आयी तो सारे किले में बहुत खुशियॉ मनायी गयीं। राजा नीली दाढ़ी वाला भी बहुत खुश था। ये खुशियॉ करीब करीब एक महीने तक चलीं।

एक महीने बाद उसने अपनी पत्नी से कहा कि उसको कुछ दिन के लिये कहीं बाहर जाना है। उसने अपने किले की सारी चाभियॉ अपनी पत्नी को दीं और कहा — "तुम इस किले में कहीं भी जा सकती हो कोई भी चीज़ खोल सकती हो किसी को भी देख सकती हो सिवाय एक दरवाजे के। यह सोने की चाभी उसी दरवाजे की

[7] Knight is a special high rank in Imperial army. See his picture above.

है। अगर तुम्हें अपनी ज़िन्दगी प्यारी है तो उसे कभी मत खोलना।"

वह बोली — "ओह नहीं नहीं। मैं उस दरवाजे को कभी नहीं खोलूँगी।" षह सुन कर राजा चला गया।

जब राजा को गये हुए कुछ दिन हो गये तो उसने सोचा कि ऐसा उस कमरे में क्या हो सकता है जो राजा ने उस कमरे को खोलने से मना किया है। उसकी उत्सुकता बढ़ती गयी और एक दिन वह उस कमरे को खोलने के लिये जा पहुँची।

जब वह कमरा खोलने ही वाली थी कि उसकी बहिन वहॉ आ पहुँची और उसको उसे खोलने से रोक लिया। खैर चौथे दिन वह उस कमरे को खोलने की उत्सुकता न रोक सकी। वह छिपा कर चाभी ले कर उस कमरे तक गयी चाभी ताले में लगायी और उसे खोल दिया।

उस कमरे को देख कर तो वह बहुत डर गयी। उस कमरे में तो चारों तरफ लाशें ही लाशें पड़ी हुई थीं। वह तुरन्त ही दरवाजा बन्द कर देना चाहती थी पर जल्दबाजी में चाभी उसके हाथ से गिर कर खून में जा पड़ी।

उसने तुरन्त ही उसे उठा तो लिया पर उसमें खून के दाग लग गये। उसने उसको कितना ही मल मल कर धो कर साफ करने की कोशिश की पर वह साफ ही नहीं हुआ।

डर के मारे कॉपती हुई वह अपनी बहिन के पास गयी। पर उसकी बहिन भी क्या करती। अब कुछ नहीं हो सकता था।

कुछ दिनों में राजा नीली दाढ़ी वाला आ गया। आ कर उसने अपनी चाभियॉ मॉगीं तो उसकी पत्नी ने उसको वे ला कर दे दीं। उसने देखा कि उसकी सोने की चाभी पर तो खून लगा है।

यह देख कर वह बोला — "तुमने मेरी बात नहीं मानी न। अब तुम्हारा समय आ गया। अब तुम मरने के लिये तैयार हो जाओ क्योंकि मैंने तुम्हें जिस कमरे में जाने के लिये मना किया था तुम उसी कमरे में गयी थीं।"

रोती हुई वह अपनी बहिन के पास गयी जो किले में ऊपर रहती थी। जब वह रो रो कर अपनी किस्मत अपनी बहिन को बता रही थी तो बहिन को उस सीटी की याद आयी जो उनके भाइयों ने उसकी बहिन को किसी भी परेशानी के समय बजाने के लिये दी थी।

वह तुरन्त बोली — "ला मुझे वह सीटी दे जो हमारे भाइयों ने हमें बजाने के लिये दे थी। मैं यह सीटी बजा कर उनको यह सब बताती हूॅ हो सकता है कि वे हमारी कुछ सहायता कर सकें।"

छोटी बहिन ने सीटी ला कर उसको दे दी और उसने वह सीटी तीन बार बजायी। उस सीटी से इतनी तेज़ आवाज निकली कि वह सारे जंगल में गूॅज गयी।

एक घंटे बाद उन्होंने राजा नीली दाढ़ी वाले को ऊपर आते हुए सुना ताकि वह अपनी पत्नी को मार सके।

वह चिल्लायी — "हे भगवान बचाओ। हे भगवान बचाओ। क्या मेरे भाई नहीं आ रहे हैं?"

वह दरवाजे की तरफ दौड़ी और तुरन्त दरवाजा बन्द कर दिया। राजा नीली दाढ़ी वाला वहॉ आया और दरवाजा पीटने लगा। वह चिल्ला चिल्ला कर कहने लगा कि दरवाजा खोलो पर लड़की ने दरवाजा नहीं खोला।

जब उसने दरवाजा नहीं खोला तो वह दरवाजा तोड़ने की कोशिश करने लगा।

लड़की ने फिर अपनी बहिन से पूछा कि क्या उनके भाई वहॉ नहीं आ रहे? बहिन खिड़की पर खड़ी हुई बाहर की तरफ देख रही थी। लड़की डरी हुई बन्द दरवाजे के पास खड़ी हुई कॉप रही थी।

बहिन बोली — "नहीं मुझे तो कोई आता नहीं दिखायी दे रहा।"

इस बीच राजा नीली दाढ़ी वाला दरवाजा तोड़ रहा था। अब उसमें इतना बड़ा छेद हो गया कि वह उसके अन्दर से हो कर कभी भी कमरे में आ सकता था कि तभी तीन नाइट्स अचानक ही घर में घुसे।

उनको देख कर बहिन बहुत ज़ोर से सहायता के लिये चिल्लायी और उनको हाथ हिलाया। वे तुरन्त ही तूफान की तरह से उस कमरे में आ गये जहॉ से उनकी बहिन ने उनको हाथ हिलाया था।

तुरन्त ही यह भॉपते हुए कि राजा क्या करने जा रहा था उन्होंने अपने छुरे उसकी छाती में भौंक दिये और उसे मार डाला।

जब भाइयों को यह पता चला कि वह भगवान से न डरने वाला राजा उनकी बहिन के साथ क्या करने वाला था और उसने पहले भी कितनी स्त्रियों को मार डाला था उन्होंने उसका सारा किला नष्ट कर दिया। अब उस किले का नामो निशान मिट गया था।

उन्होंने वहॉ से उसका सारा खजाना उठाया और अपनी बहिनों के साथ अपने पिता के घर में खुशी खुशी रहने लगे।

3 नीली दाढ़ी वाला–2[8]

यह कहानी उत्तरी अमेरिका के नौर्थ कैरोलाइना राज्य में कही सुनी जाती है।

उसके पास एक बहुत बड़ी टोकरी थी जिसे वह लिये जा रहा था। वह लोगों के घर खाने की भीख मॉगने जाता था और जब सुन्दर लड़कियॉ उसको खाना देने के लिये आती थीं तो वह उनको पकड़ कर अपनी टोकरी में रख लेता था और अपने घर ले जाता था।

उसके पास उनको रखने के लिये बहुत बढ़िया जगह थी। वह वहॉ का राजा था। वहॉ ला कर वह उनसे कहता था कि सब कुछ उनका था और उनको अपने सारे घर की चाभियॉ दे देता था पर एक कमरे को खोलने से मना कर देता था।

वह उनसे कहता था कि उस कमरे को मत खोलना अगर तुमने कभी वह कमरा खोला तो मैं उसी दिन तुम्हें मार दूँगा।

इस तरह से उसने सात बहिनों से शादियॉ कीं। उन सात बहिनों में से छह को तो उसने मार दिया पर सातवीं बहिन ने जब

[8] Blue-Beard – a folktale from North Carolina, America. Taken from the Web Site : https://sites.pitt.edu/~dash/type0312.html
Taken from the Journal : Elsie Clews Parsons. “Tales From Guilford County, North Carolina”. Journal of the American Folklore. 30 (116). 1917.
[Author’s Note : Folktales are badly written or half forgotten.]
[My Note : I also had to add a few sentences to make it readable. I apologize for it.]

वह बाहर गया हुआ था तो उस कमरे को खोला और उसमें झॉका तो देखा कि उसमें तो उसकी छहों बहिनें मरी पड़ी हैं और उनकी लाशों का ढेर लगा हुआ है।

यह देख कर डर के मारे उसके हाथ से चाभियॉ छूट कर नीचे गिर गयीं और खून में सन गयीं। जब वह घर वापस आया तो उसने उससे चाभियॉ मॉगीं। लड़की ने उन चाभियों को कई दिनों तक छिपा कर रखा ताकि वह उन्हें देख न सके।

पर ऐसा वह कब तक कर सकती थी। आखिर उसे चाभियॉ ला कर उसे देनी ही पड़ीं। जैसे ही उसने चाभियॉ देखीं वह समझ गया कि वह लड़की उस कमरे में गयी थी क्योंकि उनमें खून लगा था।

उसने उससे कहा — "बस अब तुम भी मरने के लिये तैयार हो जाओ क्योंकि तुमने मेरा कहा नहीं माना और तुम उस कमरे में गयीं जिसको मैंने तुमसे खोलने के लिये मना किया था। तुम चाहो तो अपनी आखिरी प्रार्थना कर लो।"

उसने सात बार प्रार्थना की। उसके प्रार्थना करने के बाद जैसे ही वह उसको मारने वाला था उसके सात भाई वहॉ आ गये। उनको देख कर वह जंगल में भाग गया और फिर उसके बाद उसे कभी नहीं देखा गया।

4 शैतान ने तीन बहिनों से शादी कैसे की[9]

षह कहानी यूरोप के इटली देश में इस तरीके से कही सुनी जाती है। एक बार की बात है कि एक शैतान को शादी करने की बड़ी इच्छा हुई। सो उसने नरक छोड़ा, एक बहुत ही सुन्दर नौजवान का रूप रखा और एक बहुत ही बड़ा और सुन्दर मकान बनाया।

जब वह मकान पूरा बन गया तो उसमें उसने सब तरह का सबसे ज़्यादा फैशनेबिल जरूरत का सामान रखवाया और सब तरह की सजावट करवायी।

उसके बाद वह एक परिवार में गया और अपना परिचय दिया। उस परिवार में तीन बेटियॉ थीं। उसने उनमें से सबसे बड़ी वाली लड़की को पटाया और उसको खुश किया। वह उससे शादी करने को राजी हो गयी।

लड़की के माता पिता यह देख कर बहुत खुश थे कि उनकी बेटी की शादी कितने अच्छे घर में हो रही थी। जल्दी ही दोनों की शादी हो गयी। शादी के बाद शैतान लड़की को अपने घर ले गया।

घर ले जा कर उसने अपनी पत्नी को बहुत बढ़िया फूलों का एक छोटा सा गुलदस्ता दिया जो उसने उसके सीने पर लगा दिया। फिर वह उसको अपने घर के सारे कमरे दिखाने ले गया।

[9] How the Satan Married Three Sisters.

आखीर में वह एक बन्द दरवाजे के पास आया और उससे बोला — "यह सारा मकान तुम्हारा है तुम इसमें कुछ भी कर सकती हो पर किसी भी हालत में तुम इस दरवाजे को मत खोलना।"

पत्नी ने उसका कहा मानते हुए उस समय तो हॉ में सिर हिला दिया पर वह तो उस पल का ही इन्तजार करती रही जब उसको वह बन्द दरवाजा खोल कर देखना था।

अगली सुबह शैतान ने उससे कहा कि वह शिकार को जा रहा है। सो जब वह शैतान घर से बाहर चला गया तो तुरन्त ही वह लड़की उस बन्द दरवाजे की तरफ दौड़ी और उसे खोल दिया।

वहॉ तो उसने बहुत ही भयानक आग जलती देखी जो उसकी तरफ बढ़ी और उससे उसके सीने पर लगे वे फूल मुरझा गये जो उसके पति ने उसको दिये थे।

जब उसका पति घर आया तो उसने उससे पूछा कि उसने वह दरवाजा खोला तो नहीं तो उसने बिना किसी हिचक के जवाब दिया "नहीं"। पर जब शैतान ने अपने दिये फूलों की तरफ देखा तो उसको पता चल गया कि वह झूठ बोल रही है।

वह बोला — "अब मैं तुम्हारी उत्सुकता का और ज़्यादा इम्तिहान नहीं लूँगा। आओ मेरे साथ आओ मैं तुमको खुद दिखाता हूँ कि इस दरवाजे के पीछे क्या है।"

कह कर वह उसको दरवाजे तक ले गया, वह दरवाजा खोला और उसको इतने ज़ोर का धक्का दिया कि वह नरक में जा पड़ी। उसके बाद उसने वह दरवाजा बन्द कर लिया।

कुछ महीने बीतने के बाद उसने उसी परिवार की दूसरी लड़की को अपने साथ शादी करने के लिये पटाया और उसका दिल जीत लिया। उसके साथ भी ठीक वही हुआ जो उसकी बड़ी बहिन के साथ हुआ था।

अन्त में वह उसी परिवार की तीसरी लड़की के पास गया। यह लड़की होशियार थी। उसने सोचा "यकीनन इसने मेरी दोनों बहिनों को मार डाला है पर यह मेरे लिये अच्छा जोड़ा है। सो अबकी बार मैं इसके साथ जाती हूॅ और देखती हूॅ कि मैं उन दोनों से ज़्यादा खुशकिस्मत हूॅ या नहीं।"

और इस प्लान के साथ उसने उससे शादी के लिये हॉ कर दी। उसको भी घर ले जाने के बाद उसने उसे एक बहुत सुन्दर फूलों का छोटा सा गुलदस्ता दिया और उसको उसके सीने पर लगा दिया।

फिर वह उसको अपने घर के सारे कमरे दिखाने ले गया और एक बन्द दरवाजे को दिखाते हुए उससे उसको हर हाल में खोलने से मना कर दिया।

वह लड़की अपनी बहिनों की तरह उतनी उत्सुक तो नहीं थी पर फिर भी अगले दिन जब उसका पति घर से बाहर चला गया तो

उसने वह बन्द दरवाजा खोला। पर इत्तफाक से उसने अपने सीने पर लगे फूल पहले से ही पानी में रख दिये थे।

सो उसने भी वह दरवाजा खोलने पर वह भयानक आग देखी और देखीं उसमें अपनी दोनों बहिनें।

उसके मुॅह से निकला — "उफ़ मैं कितनी लाचार हूॅ। मैं तो सोचती थी कि मैंने एक सामान्य आदमी से शादी की है पर यह तो शैतान है। अब मैं इसके चंगुल से बाहर कैसे निकलूॅ।"

फिर उसने अपनी दोनों बहिनों को बड़ी सावधानी से उस नरक में से बाहर खींचा और उन्हें छिपा दिया। उसके बाद उसने वह फूलों का गुलदस्ता फिर से अपने सीने पर लगा लिया।

जब शैतान घर आया तो उसने अपने दिये हुए उन फूलों की तरफ देखा जो उसने उसके सीने पर लगाये थे। वे फूल उसको बिल्कुल ताजा लगे सो उसने उस लड़की से कोई सवाल नहीं पूछा। उसको विश्वास हो गया कि उसने अपना वायदा निभाया था। पहली बार उसने उसको सचमुच में प्यार किया।

कुछ दिनों बाद उस लड़की ने अपने पति से कहा कि क्या वह तीन आलमारियॉ रास्ते में बिना कहीं उनको नीचे रखे और बिना आराम किये उसके पिता के घर ले जायेगा।

शैतान ने कहा "हॉ हॉ क्यों नहीं।"

"पर ध्यान रहे कि तुम अपना वायदा याद रखना क्योंकि मैं तुमको यहॉ से देखती रहूॅगी।"

शैतान ने उससे वायदा किया कि वह वैसा ही करेगा जैसा उसने उससे करने के लिये कहा है।

सो अगले दिन उसने अपनी एक बहिन को एक आलमारी में बन्द किया और उसको अपने पति के कन्धों पर लाद दिया। वह शैतान ताकतवर तो बहुत था पर साथ में सुस्त भी था। इसके अलावा उसको काम करने की आदत भी नहीं थी।

वह उस आलमारी को ले कर चला तो उस भारी आलमारी को उठाते उठाते थक गया। इससे पहले कि वह अपनी उस सड़क से बाहर निकलता जहॉ उसका मकान था वह कुछ देर आराम करना चाहता था कि उसकी पत्नी चिल्लायी — "इसको नीचे नहीं रखना। मैं तुम्हें देख रही हूॅ।"

शैतान अनमनेपन से उस आलमारी को ले कर चलता रहा जब तक कि वह अपनी सड़क के कोने पर नहीं आ गया। वहॉ आ कर उसने सोचा कि यहॉ तो वह मुझको नहीं देख पायेगी सो मैं यहॉ इसको नीचे रख कर थोड़ा आराम कर लेता हूॅ।

वह बस उस आलमारी को नीचे रखने ही वाला था कि उसकी पत्नी की बहिन जो उस आलमारी के अन्दर थी बोली — "इसको नीचे मत रखना मैं तुम्हें देख रही हूॅ।"

गालियॉ देते हुए वह उस आलमारी को दूसरी सड़क तक ले गया और किसी दूसरे के घर के दरवाजे पर उसको फिर से रखने ही

वाला था कि उसने फिर से उसकी बहिन की आवाज सुनी "इसको नीचे मत रखना मैं अभी भी तुम्हें देख रही हूँ।"

उसने सोचा मेरी पत्नी की ऑखें कैसी हैं कि वह सीधे तो सीधे कोने के दूसरी तरफ भी देख लेती हैं। और शायद वे दीवार के आरपार भी देख लें अगर वे शीशे की बनी हों।

इस तरह सोचते सोचते पसीने से लथपथ बहुत थका हुआ वह अपनी सास के घर आ पहुँचा। वहॉ उसने वह आलमारी उसको दी और तुरन्त ही घर वापस लौट गया ताकि घर जा कर वह बढ़िया नाश्ता कर सके।

अगले दिन भी वही हुआ। वह दूसरी आलमारी ले कर अपनी सास के घर गया और उसको उसको दे कर तुरन्त ही वापस आ गया।

तीसरे दिन उस लड़की को खुद को एक आलमारी में बैठ कर जाना था। सो उसने अपनी एक मूर्ति बनायी और उसको अपने कपड़े पहना दिये।

उसको उसने उस शैतान के मकान के छज्जे पर खड़ा कर दिया और खुद आलमारी में जा कर बैठ गयी। एक दासी ने उस आलमारी को शैतान के कन्धे पर रख दिया।

उसको उठाते हुए वह बुड़बुड़ाया — "उफ़ यह आलमारी तो उन दोनों आलमारियों से कहीं ज़्यादा भारी है। और आज जब वह

छज्जे पर बैठी हुई है तो आज तो मेरे आराम करने का कोई मौका भी नहीं है।"

सो बड़ी मुश्किल से उस भारी आलमारी को उठा कर वह अपनी सास के घर बिना रुके चला। वहॉ उसने वह आलमारी भी अपनी सास को दी और जल्दी से अपने घर नाश्ते के लिये वापस दौड़ पड़ा। आज तो वह भारी आलमारी ले जाते ले जाते उसकी कमर ही टूट गयी थी।

पर आज जब वह घर पहुॅचा तो रोज की तरह से उसकी पत्नी आज उसको लेने बाहर नहीं आयी। यहॉ तक कि उसका नाश्ता भी तैयार नहीं था सो उसने उसे आवाज लगायी — "मारगरीटा[10] तुम कहॉ हो?" पर उसकी इस पुकार का भी उसको कोई जवाब नहीं मिला।

वह अपने मकान में चारों तरफ भागता फिरा। एक बार उसकी नजर एक कमरे की खिड़की के बाहर पड़ी तो उसने देखा कि उसके छज्जे पर मारगरीटा खड़ी है।

वह बोला — "मारगरीटा, क्या तुम सो गयी हो? नीचे आओ। मैं कुत्ते की तरह थक गया हूॅ और भेड़िये की तरह भूखा हूॅ।"

फिर भी उसको कोई जवाब नहीं मिला तो वह गुस्से से ज़ोर से चिल्लाया — "अगर तुम नीचे नहीं आयीं तो मैं ऊपर आ कर तुमको नीचे ले कर आता हूॅ।" पर मारगरीटा तो हिली भी नहीं।

[10] Margerita – name of the third and the youngest sister

गुस्से में भर कर वह ऊपर गया और उसके कान पर एक ज़ोर का घूँसा मारा कि उसका तो सिर ही उड़ गया। उसने देखा कि उसका सिर तो एक मूर्ति का सिर था और उसका नीचे का शरीर तो केवल चिथड़ों का बना हुआ था।

यह देख कर तो उसका गुस्सा बहुत ही बढ़ गया। वह अपने सारे घर में चीज़ों को तोड़ता फोड़ता फिरा पर उससे क्या फायदा था। इससे उसकी पत्नी तो मिलने वाली नहीं थी। उसको अपनी पत्नी के गहनों का केवल खाली बक्सा ही मिला।

वह बोला — "सो वह मेरे दिये गहने भी चुरा कर ले गयी।"

वह तुरन्त ही उसके माता पिता को इस बात की खबर करने दौड़ा। पर जब वह उसके घर के पास आया तो उसने देखा कि ऊपर छज्जे पर तो तीनों बहिनें यानी उसकी तीनों पत्नियॉ खड़ी हैं और उस पर हॅस रही हैं।

उन तीनों पत्नियों को एक साथ वहॉ खड़ा देख कर तो वह शैतान इतना डर गया कि वह वहीं से उलटे पैरों भाग खड़ा हुआ और फिर अपने घर आ कर ही दम लिया।

उसके बाद से उसने फिर कभी शादी के बारे में सोचा भी नहीं।

5 फ़िचर की चिड़िया[11]

यह लोक कथा यूरोप महाद्वीप के जर्मनी देश की लोक कथाओं से ली गयी है।

एक बार की बात है कि एक जादूगर[12] था। एक बार उसने एक गरीब आदमी का वेश रखा और घर घर भीख मॉगने लगा। वहॉ पहुँच कर वह सुन्दर सुन्दर लड़कियों को पकड़ लेता था। यह तो पता नहीं कि वह उनको कहॉ ले जाता था क्योंकि उनके उठाये जाने के बाद उनमें से किसी एक को भी देखा नहीं गया।

एक दिन वह एक आदमी के दरवाजे पर आया जिसके तीन सुन्दर बेटियॉ थीं। वह एक गरीब और कमजोर भिखारी दिखायी दे रहा था। उसकी पीठ पर एक टोकरी लटकी हुई थी जैसे वह उसे इकट्ठा की गयी चीज़ें रखने के लिये ले कर आया हो।

उसने खाने के लिये कुछ मॉगा तो जब सबसे बड़ी बेटी उसे कुछ खाना देने आयी तो बस उसने केवल उसको छुआ तो वह तो अपने आप ही उसकी टोकरी में कूद गयी। जादूगर ने तुरन्त ही लम्बी लम्बी डग भरीं और उसको वहॉ से ले कर चल दिया।

वह उसे अपने घर ले आया। उसका घर एक अँधेरे जंगल के बीच में था। घर उसका बड़ा शानदार था। उसने उसको वह सब

[11] Fitcher's Bird. A folktale from Germany. By Grimm Brothers. (Tale No 46). Translated by DL Ashliman. 1857 edition. Taken from the Web Site : https://sites.pitt.edu/~dash/grimm046.html

[12] Translated for the word "Sorceror"

कुछ दिया जो उसको चाहिये था और कहा — "प्रिये तुमको यहॉ मेरे साथ रह कर अच्छा लगेगा। तुमको यहॉ वह सब कुछ मिलेगा जो तुम्हारी इच्छा होगी।"

इस तरह कुछ दिन बीत गये। एक दिन उसने उससे कहा — "मुझे कुछ समय के लिये बाहर जाना है। मैं तुम्हें यहीं अकेला छोड़ जाऊॅगा। ये लो घर की चाभियॉ लो। तुम इस घर में कहीं भी जा सकती हो और कुछ भी कहीं भी देख सकती हो सिवाय उस कमरे के जिसकी यह छोटी सी चाभी है। तुम उस कमरे में नहीं जाना नहीं तो तुम्हें जान से हाथ धोने पड़ेंगे।"

उसने उसको एक अंडा भी दिया और कहा — "इस अंडे की ठीक से देखभाल करना। तुम इसको सारा समय अपने पास ही रखना। क्योंकि अगर तुम इसे खो दोगी तो तुम्हारे ऊपर बदकिस्मती का पहाड़ टूट पड़ेगा।"

लड़की ने उससे चाभी और अंडा दोनों ले लिये और कहा कि वह हर चीज़ की ठीक से देखभाल करेगी। जैसे ही जादूगर घर छोड़ कर चला गया तो वह सारे घर में चक्कर काट आयी। सारा घर चॉदी और सोने से दमक रहा था। उसको लगा कि ऐसी शानोशौकत तो उसने पहले कभी देखी नहीं थी।

अन्त में वह उस कमरे के पास आयी जिसको जादूगर ने उसे खोलने के लिये मना किया था। वह वहॉ से चली जाना चाहती थी पर उसकी उत्सुकता ज़ोर पकड़ गयी। उसने चाभी देखी तो वह

उसको साधारण चाभी जैसी लगी। उसने उसे ताले में घुसा दिया और घुमा दिया। दरवाजा तुरन्त ही खुल गया।

जब वह उसके अन्दर घुसी तो उसने क्या देखा। एक बहुत बड़ा खून से भरा बर्तन कमरे के बीच में था जिसमें लड़कियों के शरीर के कटे हुए हिस्से पड़े हुए थे। उसके पास ही लकड़ी का एक बहुत बड़ा टुकड़ा रखा हुआ था जिस पर एक चमकती हुई कुल्हाड़ी रखी हुई थी।

उस सबको देख कर वह इतना डर गयी कि उसके हाथ में जो अंडा था वह उस खून के बर्तन में गिर गया। उसने उसे बर्तन में से निकाल लिया और उस पर से खून के धब्बे साफ करने की कोशिश की पर खून तो उस पर से साफ हो ही नहीं रहा था। वह उसे बार बार साफ करती थी पर वह तो हट ही नहीं रहा था।

जल्दी ही जादूगर घर लौट आया। आते ही उसने उससे घर की चाभियॉ और अंडा मॉगा तो उसने डर से कॉपते हुए वे दोनों चीज़ें उसे दे दीं। क्योंकि खून का धब्बा लगे अंडे से उसने जान लिया कि वह मना किये गये कमरे में गयी थी।

वह बोला — "तो तुम मेरी मर्जी के खिलाफ उस कमरे में गयी थीं पर अब तुम अपनी मर्जी के खिलाफ उस कमरे में जाओगी।"

उसने उसको नीचे पटका उसके बाल पकड़ कर घसीटता हुआ उसी कमरे में ले गया। लकड़ी के टुकड़े पर उसको रखा और उसका सिर धड़ से अलग कर दिया।

उसके शरीर को उसने छोटे छोटे हिस्सों में काटा और खून भरे बर्तन में फेंक दिया। फिर वह बोला "अब मैं जा कर उसकी दूसरी बेटी को ले कर आता हूँ।"

उसने फिर से एक भिखारी का रूप रखा और वहॉ कुछ खाना मॉगने के लिये पहुँच गया। उस लड़की ने भी उसको रोटी ला कर दी तो पिछली बार की तरह से उसने इसको भी बस केवल छुआ और यह लड़की भी उसकी टोकरी में कूद कर बैठ गयी। यह उसको ले कर अपने महल आ गया।

इसके साथ भी पहली लड़की से कोई कुछ ज़्यादा अच्छा नहीं हुआ। इसका अन्त भी वही हुआ जो इसकी बहिन का हुआ था। यह भी अपनी उत्सुकतावश उस कमरे को खोलने पहुँच गयी। इसने भी कमरा खोला और सब कुछ देखा। जब जादूगर लौटा तो इसने अपनी उत्सुकता की कीमत अपनी जान दे कर दी।

अब जादूगर तीसरी बहिन को लेने पहुँचा। उसको भी उसी तरह से ले आया। पर यह लड़की उन तीनों में होशियार और चालाक थी। जब जादूगर उसको चाभियॉ और अंडा दे कर चला गया तो इसने अंडे को सावधानी से एक तरफ को रख दिया और तभी सारा घर देखा भाला।

वह उस कमरे में भी गयी जिसे जादूगर ने उसे खोलने के लिये मना किया था। ओह उसने उसमें क्या देखा। कि उसकी दोनों बड़ी बहिनों को बड़ी बेरहमी से मार कर खून के बर्तन में डाल दिया गया

है। यह सब देख कर भी उसने उनके सारे टुकड़े उसमें से निकाले। उन सबको एक साथ तरतीबवार जोड़ कर रखा।

जब सारे टुकड़े लग गये तो दोनों लड़कियों ने अपनी अपनी ऑखें खोल दीं और वे ज़िन्दा हो गयीं। तीनों बहुत खुश हुईं और तीनों ने एक दूसरे को गले लगाया।

जब जादूगर घर लौटा तो उसने तुरन्त ही अपनी चाभियॉ और अंडा मॉगा। अब चाभियॉ और अंडा तो साफ थे उन पर खून का कोई धब्बा नहीं था तो वह बोला — "तुम अपने इम्तिहान में पास हो गयी हो। अब तुम मेरी दुलहिन बनोगी।"

अब जादूगर के पास उस लड़की के ऊपर कोई ताकत नहीं थी। अब तो वह लड़की जैसा कहती थी उसको वैसा ही करना पड़ता था।

लड़की बोली — "यह तो बहुत अच्छा है पर तुम पहले मेरे माता पिता को एक टोकरी सोना चॉदी तो भिजवा दो। तुमको यह सोना चॉदी खुद ही ले कर वहॉ जाना पड़ेगा। इस बीच मैं यहॉ शादी की तैयारियॉ करती हूॅ।"

वह अपनी बहिनों के पास दौड़ी गयी जिनको उसने एक आलमारी में छिपा रखा था और बोली — "अब वह समय आ गया है जब मैं तुम्हें इस जादूगर से बचा कर बाहर निकाल सकती हूॅ। यह नीच जादूगर खुद तुम लोगों को यहॉ से ले कर जायेगा। जब

तुम लोग घर सुरक्षित पहुँच जाओ तो मेरे लिये भी सहायता भेज देना।"

उसने उन दोनों को टोकरी में रखा उनको सारा सोने से ढक दिया ताकि उसमें वे बिल्कुल दिखायी न दें। उसके बाद उसने जादूगर को बुला कर कहा कि टोकरी तैयार है अब वह उसको उसके घर ले कर जा सकता है। और हॉ देखो रास्ते में कहीं रुकना नहीं क्योंकि मैं अपनी छोटी खिड़की से तुम्हें बराबर देखती रहूँगी।

जादूगर ने टोकरी को अपनी पीठ पर रखा और उसको ले कर चल दिया। वह टोकरी इतनी भारी थी कि चलते चलते उसके चेहरे पर पसीना झलक आया। वह सुस्ताने के लिये थोड़ी देर के लिये बैठ गया।

तुरन्त ही टोकरी में बैठी एक लड़की बोल उठी — "मैं अपनी छोटी खिड़की से देख रही हूँ और मैं देख रही हूँ कि तुम बैठ गये हो। चलो और चलते रहो। रुको नहीं।"

उसको लगा कि यह बात उसकी दुलहिन उससे कह रही है सो वह फिर से उठ कर चल दिया। उसने फिर से रास्ते में सुस्ताना चाहा पर वही लड़की फिर बोल उठी और उसको फिर से चलना पड़ गया। आखिर उसने उन दोनों लड़कियों को उनके माता पिता के घर तक ही पहुँच कर ही दम लिया।

इधर घर में दुलहिन शादी की दावत की तैयारियॉ कर रही थी जिसमें उसने जादूगर के दोस्तों को बुलाया था। उसने एक खोपड़ी

उठायी जिसके हॅसते हुए दॉत थे। उसको फूलों का ताज और गहने पहना कर सजाया और उसको सबसे ऊपर वाले कमरे की खिड़की[13] में ऐसे रख दिया जैसे वह बाहर देख रही हो।

जब सब कुछ तैयार हो गया तो उसने शहद के एक बैरल में डुबकी लगायी और एक बिस्तर को फाड़ कर उसे अपने चारों तरफ ऐसे लपेट लिया जिससे वह एक अजीब सी चिड़िया लगने लगी। अब उसे कोई नहीं पहचान सकता था। इसके बाद वह घर से बाहर चली गयी।

रास्ते में उसको शादी में आने वाले कुछ मेहमान मिले तो उन्होंने कहा भी कि "ओ फ़िचर की चिड़िया तुम कहॉ से आ रही हो?"

तो उसने जवाब दिया — "मैं फ़िचर के घर से आ रही हूॅ।"

"उसकी नौजवान पत्नी क्या कर रही है?"

"उसने नीचे से ले कर ऊपर तक सारा घर सब साफ कर दिया है और अब वह अपने सबसे ऊपर वाले कमरे की खिड़की से बाहर झॉक रही है।"

आखीर में उसका दुलहा उसको मिला। वह धीरे धीरे घर वापस आ रहा था। उसने भी पूछा — "ओ फ़िचर की चिड़िया तुम कहॉ से आ रही हो?"

तो उसने जवाब दिया — "मैं फ़िचर के घर से आ रही हूॅ।"

"मेरी नौजवान पत्नी क्या कर रही है?"

[13] Translated for the words "Window of the attic"

"उसने नीचे से ले कर ऊपर तक सारा घर सब साफ कर दिया है और अब वह अपने सबसे ऊपर वाले कमरे की खिड़की से बाहर झॉक रही है।"

दुलहे ने ऊपर देखा तो सजी धजी खोपड़ी को देख कर उसने सोचा कि वह उसकी दुलहिन होगी तो उसने उधर की तरफ देख कर उसको हाथ हिला दिया।

जब वह और उसके दोस्त लोग सब उसके घर में चले गये तो दुलहिन के भाई और सम्बन्धी वहॉ आये। दुलहिन की बहिनों ने अपनी बहिन को बचाने के लिये उनको यहॉ भेजा था।

उन लोगों ने आते ही घर के दरवाजे बन्द कर दिये ताकि वहॉ से कोई बाहर न भाग सके और उसमें आग लगा दी। जादूगर अपने साथियों के साथ उसमें जल कर भस्म हो गया और वे अपनी बहिन को ले कर वहॉ से भाग गये।

6 चुना हुआ उम्मीदवार[14]

नीली दाढ़ी वाला जैसी यह लोक कथा ब्रिटिश वैस्ट इन्डीज़ देश से ली गयी है। एक बार एक स्त्री थी जिसके एक बेटा और एक बेटी थी। उसके बेटे को कोढ़[15] की बीमारी थी और वह एक पुराना जादूगर[16] था। उनकी मॉ अपनी बेटी को किसी लड़के से मिलने नहीं देती थी।

एक दिन एक भालू एक भले आदमी का रूप रख कर बहुत बढ़िया कपड़े पहने वहॉ आया और उस स्त्री से उसकी बेटी से शादी करने की इच्छा प्रगट की। जब उसको अपने कपड़े उतारने होते थे तो वह एक गीत गाता था।

जिस दिन यह भालू उसकी बेटी को देखने के लिये उनके घर आया तो बेटे ने अपनी मॉ से कहा — "मॉ हमारी बहिन की शादी इस आदमी से नहीं करना क्योंकि यह आदमी नहीं एक भालू है।"

सो मॉ ने अपने बेटे को वहॉ से यह कह कर भगा दिया कि ऐसा कर के वह उसके साथ कोई अच्छा व्यवहार नहीं कर रहा है। वह तो एक भला आदमी है।

---

[14] The Chosen Suitor – a folktale from British West Indies. Taken from the Web Site : https://sites.pitt.edu/~dash/type0312.html
Taken from the Journal : John H Johnson. "Folklore From Antigua, British West Indies." Journal of the American Folklore. 34 (131). 1921.
[My Note : I also had to add a few sentences to make it readable. I apologize for it.]

[15] Translated for the word "Leprosy"

[16] Translated for the word "Witch".

बेटा बोला — "तुम देखना कि वह क्या है।"

एक दिन मॉ ने बेटे को कुछ खाना दिया कि वह उसे उस भले आदमी को दे आये। वह खाना उसने एक थाली में खूब सजा कर रख दिया था।

जब बेटा भालू के ऑगन तक पहुँचा तो वह एक पेड़ के पीछे छिप गया। जब वह पेड़ के पीछे छिपा हुआ था तो उसने देखा कि वह भालू जमीन खोद रहा है। और उस भालू ने सारी जमीन खोद दी जैसे **10** लोगों ने कॉटे से उसे खोद दिया हो।

यह लड़का वहीं पेड़ के पीछे खड़ा खड़ा वह सब कुछ देखता रहा जो कुछ भी वह कर रहा था। जब वह लड़का उसे देख रहा था तो कुछ देर के इन्तजार के बाद उसने खॉसा "अहम।"

भालू तो यह सुन कर उछल पड़ा और कहने लगा —

इन्डियाना इन्डियाना उम उम, इन्डियाना इन्डियाना उम उम, इन्डियाना इन्डियाना उम उम

इससे जैसे जैसे वह गाता जाता था उसके कपड़े भी उछलते जाते थे। वह बाहर आ गया और उसने अपने दोनों हाथ अपनी जेब में डाले और बोला — "ओ लड़के तुमने देखा कि मैं अपनी जमीन कैसे जोतता हूँ।"

उसने उस जमीन पर जो काम किया था वह उस काम की डीगें हॉकने लगा कि उसने कितना अच्छा काम किया था। फिर उसने लड़के से पूछा कि वह वहॉ कितनी देर से आया खड़ा था।

लड़का बोला — "मैं अभी अभी आया हूॅ।"

भालू ने उसके हाथ से खाना ले लिया और उसे घर के अन्दर ले गया और लड़के से कहा — "ठीक है अब तुम घर वापस जा सकते हो।"

पर लड़का घर वापस नहीं गया। वह फिर से एक पेड़ के पीछे जा कर छिप गया। जब भालू को लगा कि लड़का चला गया है तो उसने वह खाना एक जानवरों के खाने वाले डिब्बे में फेंक दिया और उसके ऊपर से एक बालटी पानी भी डाल दिया।

यह सब करने के बाद उसने फिर कहना शुरू किया —

इन्डियाना इन्डियाना उम उम, इन्डियाना इन्डियाना उम उम, इन्डियाना इन्डियाना उम उम

यह गाते ही उसके सारे कपड़े नीचे गिर पड़े। वह अपने उस बर्तन में गया। सारा समय वह लड़का उसको देखता रहा। फिर वह अपने घर लौट गया और जा कर अपनी मॉ को सब बताया जो कुछ भी उसने देखा था।

उसके बाबा को उसकी बात पर विश्वास था सो उसके बाबा ने कहा ठीक है वे उसको पकड़ लेंगे पर उसकी मॉ और बहिन ने उसकी बात का विश्वास नहीं किया।

उसी शाम भालू एक फ्राक कोट पहन कर उनके घर आया। जैसे ही वह घर आया तो उसने मॉ और बेटी से बात करना और हॅसना शुरू कर दिया।

इस बीच में बाबा ने अपनी बन्दूक तैयार कर ली। लड़के ने अपना बाजा उठाया और उस पर वही गीत गाने लगा —

इन्डियाना इन्डियाना उम उम, इन्डियाना इन्डियाना उम उम, इन्डियाना इन्डियाना उम उम

यह गीत सुन कर भालू बोला — "यह इतना गन्दा गीत कौन गा रहा है?" कह कर वह वहॉ से चलने लगा।

वह अपने आपको सॅभाल नहीं पा रहा था क्योंकि उसकी पूॅछ उसके कपड़ों में से बाहर आ रही थी। वह जल्दी से बोला — "रुक जाओ रुक जाओ। चलो कहीं बाहर घूमने चलते हैं। इस तरह से मैं यहॉ और नहीं ठहर सकता।"

सो सब लोग बाहर घूमने चल दिये – मॉ बेटी और बाबा। जब वे बाहर घूम रहे थे तो बातें भी करते जा रहे थे। भालू ने पीछे मुड़ कर देखा तो उसने देखा कि लड़का उनके पीछे पीछे आ रहा था।

उसने पूछा "यह लड़का कहॉ जा रहा है? इसको वापस भेज दो। मुझे इसका साथ अच्छा नहीं लग रहा।"

सो बाबा ने उससे कहा — "उसको आने दो। उसको भी घूमने जाने दो।"

बाबा ने फिर लड़के से कहा — "तुम अपना गाना बजाओ।"

लड़के ने फिर बजाया —

इन्डियाना इन्डियाना उम उम, इन्डियाना इन्डियाना उम उम, इन्डियाना इन्डियाना उम उम

अबकी बार उसका टोप नीचे गिर पड़ा। लड़के ने फिर वही गीत बजाया तो फिर उसका कोट नीचे गिर पड़ा फिर उसकी कमीज फिर उसके सारे कपड़े नीचे गिर पड़े सिवाय पैन्ट के।

उसका बाबा उससे कहता ही रहा — "तुम अपना गाना बजाते रहो।"

आखीर में उसकी पैन्ट भी गिर पड़ी। इससे उसकी लम्बी पूँछ दिखायी देने लगी। अब वह वहॉ से भाग लिया। बाबा ने अपनी बन्दूक सॅभाली निशाना लगाया और उस पर गोली चला दी। वह वहीं का वहीं मर गया।

7 एक ब्राह्मण लड़की जिसने चीते से शादी की[17]

अब तक जो तुमने कहानियॉ पढ़ीं वे सब यूरोप की थी। यह एक कहानी भारत की लोक कथाओं में से दी जा रही है। आश्चर्य है कि यह यहॉ कहॉ से आयी। शायद कोई ब्रिटिश छोड़ गया हो।

एक गॉव में एक बूढ़ा ब्राह्मण रहता था जिसके तीन बेटे और एक बेटी थी। लड़की क्योंकि सबसे छोटी थी इसलिये वह बड़े लाड़ों में पली थी। सब उसको बहुत प्यार करते थे। इसलिये वह बिगड़ भी गयी थी।

वह जहॉ कहीं भी कोई सुन्दर लड़का देखती तो वह अपने माता पिता से जिद करती कि उसकी शादी उस लड़के से कर दी जाये।

बार बार यह सुनते हुए माता पिता को भी उनसे बचने का तरीका सोचने में काफी मेहनत करनी पड़ती। ऐसे ही कुछ साल बीत गये। तब तक लड़की काफी बड़ी हो गयी।

फिर इस डर से कि अगर उन्होंने उसकी शादी ठीक समय से नहीं की तो वे समाज से निकाल दिये जायेंगे उसके लिये दुलहा ढूँढना शुरू किया।

---

[17] The Brahman Girl That Married a Tiger – a folktale from India, Asia. Taken from the Web Site : http://www.pitt.edu/~dash/type0312.html
Taken from the Book : "Tales of the Sun : or Folklore of Southern India". No 10. pp 119-130. London : WH Allen 1890. This book's Hindi translation is also available from : hindifolktales@gmail.com

उसी गॉव के पास में एक चीता रहता था। उसने जादू में बहुत होशियारी हासिल कर ली थी और अपने जादू के ज़ोर से वह अब कोई भी शक्ल ले सकता था।

उसको ब्राह्मणों के घर का खाना बहुत अच्छा लगता था सो वह अक्सर मन्दिरों में और दूसरी जगहों में एक ब्राह्मण का रूप रख कर जाया करता था जहॉ ब्राह्मणों के लिये खास तौर पर खाना बनाया जाता था।

उसको यह खाना इतना अच्छा लगता था कि वह चाहता था कि वह किसी ब्राह्मण लड़की से शादी कर ले और उसे अपनी दुलहिन बना कर जंगल ले जाये जो हमेशा उसके लिये वैसा ही खाना बनाये।

एक दिन जब वह ब्राह्मण का रूप रख कर एक जगह खाना खा रहा था उसने उस ब्राह्मण लड़की के बारे में सुना जो हमेशा सुन्दर ब्राह्मण लड़कों से शादी करने की इच्छा रखती थी।

उसने सोचा "भला हो उस चेहरे का जिसको देख कर मैं आज उठा था। मैं एक सुन्दर ब्राह्मण लड़के का रूप रखता हूॅ और उस लड़की का दिल जीतने की कोशिश करता हूॅ।"

अगली सुबह उसने उठ कर पहला काम यही किया कि उसने एक बहुत सुन्दर ब्राह्मण लड़के का रूप रखा जो रामायण[18] गाने में

[18] Raamaayan is a religious book of Hindus in which the account of Shri Raam's life is given.

चतुर था और गॉव में जो नदी थी वहॉ पहुॅच गया। वहॉ पहुॅच कर उसने अपने सारे शरीर पर राख मल ली और रामायण खोल कर पढ़ने लगा।

कुछ स्त्रियों ने उसे सुना तो उन्होंने आपस में बात की — "इस नये गुरू की आवाज तो बड़ी जादू भरी है चलो इसको सुनने चलते हैं।" और उसके सामने जा कर बैठ गयीं। वह उसको बहुत समझा समझा कर सुना रहा था।

जिस लड़की के लिये चीते ने यह रूप रखा था कुछ देर बाद वह भी उस नदी पर नहाने के लिये आयी। जैसे ही उसने इस नये गुरू को देखा तो वह तो उसके प्रेम में पड़ गयी।

वह अपनी मॉ से जिद करने लगी कि वह उसके पिता से उस लड़के से उसकी शादी की बात करे। वह अब इस नये लड़के को खोना नहीं चाहती थी। उसकी मॉ भी उस लड़के को देख कर बहुत खुश थी जिसको उनकी अच्छी किस्मत ने वहॉ भेज दिया था।

वह तुरन्त ही अपने पति के पास घर दौड़ी दौड़ी आयी और उससे बेटी की शादी के बारे में बात की तो पिता भी उस लड़के को देखने के लिये नदी पर आया।

उसको देखते ही उसके हाथ भगवान महेश्वर[19] को धन्यवाद देने के लिये अपने आप ही ऊपर उठ गये। उस गुरू को घर पर खाना खाने के लिये बुलाया गया। वह भी उस लड़की से शादी करने की

[19] One of the Trinity gods of Hindu religion – Shiv Ji, other two are Brahmaa Ji and Vishnu Ji.

इच्छा से वहॉ आया था सो जैसे ही पिता ने उससे अपनी बेटी की शादी का प्रस्ताव रखा वह तुरन्त ही मान गया।

गुरू के आदर में एक बहुत बढ़िया दावत रखी गयी। मेजबान पिता ने उससे उसके परिवार के बारे में पूछताछ की। चालाक चीते ने कहा कि वह बराबर वाले जंगल के उस पार वाले एक गॉव में पैदा हुआ था।

ब्राह्मण पिता के पास उसकी जॉच पड़ताल के लिये बहुत ज़्यादा समय नहीं था क्योंकि लड़का बहुत सुन्दर था। पिता ने अगले दिन ही अपनी बेटी की शादी उस गुरू से कर दी।

एक महीने तक दावतें चलती रहीं। इस बीच दुलहे ने अपनी ससुराल वालों को पूरी तरीके से सन्तुष्ट कर के रखा। उनको भी वह पूरा आदमी ही लगा। उसने भी ब्राह्मण के घर का खाना बहुत स्वाद ले ले कर खाया और वह सब कुछ खाया जो जो उसके सामने रखा गया।

एक महीने के रस्मो रिवाज के बाद अब चीते को अपने असली खाने यानी शिकार की याद आयी तो वह अपने घर के आस पास के जंगल में चक्कर काटने लगा। एक दो दिन के लिये खाने का बदलाव तो ठीक है पर एक महीने से ज़्यादा के लिये अपना खाना छोड़ना तो बहुत ही मुश्किल काम था।

एक दिन उसने अपने ससुर से कहा — "अब मुझे जल्दी ही अपने माता पिता के पास जाना चाहिये क्योंकि वे मेरी गैरहाजिरी को बहुत महसूस कर रहे होंगे।

पर मुझे अपनी पत्नी को अपने घर ले जाने के लिये दोबारा यहॉ आ कर दो बार खर्चा क्यों करना चाहिये। सो अगर आप मेरी पत्नी को अभी मेरे साथ मेरे घर भेज दें तो आपकी बड़ी मेहरबानी होगी। यहॉ से ले जा कर मैं उसको उसकी सास को सौंप दूँगा और ख्याल रखूँगा कि वह वहॉ सुख से रहे।"

पिता ब्राह्मण इस बात पर राजी हो गया और बोला — "प्रिय दामाद जी। आप उसके पति हैं और वह आपकी है। हम उसको आपके साथ भेजने के लिये राजी हैं।

हालॉकि यह भेजना उसको अपनी ऑखों पर पट्टी बॉध कर जंगल में भेजने के बराबर है पर जब हमने उसकी शादी आपके साथ कर दी तो हमने उसे आपको दे दिया। हमें आपके ऊपर पूरा विश्वास है कि आप उसे खुश रखेंगे।"

लड़की की मॉ तो इसी विचार से रो पड़ी कि अब उसकी बेटी बहुत दूर चली जायेगी फिर भी यात्रा के लिये अगला दिन तय किया गया। मॉ ने उसके साथ के लिये बहुत तरह के खाने और मिठाई तैयार करवाये और जब जाने का समय आया तो वह उसके सामान के साथ और उसके सिर पर नीम के पत्ते रखना नहीं भूली ताकि वे उसे शैतानों से बचा सकें।

लड़की के रिश्तेदारों ने भी दामाद जी से विनती की कि जहॉ कहीं भी छाया मिले वह उसको आराम करवा दें। लड़का इस बात पर राजी हो गया और वे चल दिये।

चीता लड़का और उसकी आदमी पत्नी आनन्द से बात करते करीब एक घंटे चले होंगे कि लड़की को एक बहुत सुन्दर तालाब दिखायी दे गया जहॉ चिड़ियें मीठा मीठा गा रही थीं।

उसने पति से कहा कि वह उसके साथ उस तालाब के किनारे तक चले और वहॉ चल कर उसके साथ कुछ खाना और मिठाई खाये पर उसने उसे डॉटते हुए कहा — "चुप रहो वरना मैं तुम्हें अपनी असली सूरत दिखा दूँगा।" यह सुन कर लड़की डर गयी सो वह चुपचाप उसके साथ साथ चलती रही।

कुछ दूर जा कर उसको एक और तालाब दिखायी दिया तो उसने अपने पति से फिर वही कहा तो उसने भी उसे पहले जैसी डॉट भरी आवाज में जवाब दिया।

लड़की को भूख लगी थी सो उसको अपने पति की डॉट भरी आवाज कुछ अच्छी नहीं लगी। इसके अलावा उसको लगा कि जबसे वे जंगल में घुसे थे उसके पति की आवाज कुछ बदल गयी थी सो वह बोली — "दिखाओ तुम मुझे अपनी असली शक्ल दिखाओ।"

जैसे ही उसने यह कहा तो उसके पति की आदमी की शक्ल बदल गयी। उसके चार पैर हो गये, धारीदार खाल हो गयी, बड़ी

सी पूँछ आ गयी और उसके धड़ पर चीते का सिर रखा गया। उसके सामने उसका पति एक आदमी नहीं बल्कि एक भयानक चीता खड़ा था।

उसका तो डर तभी भी नहीं रुका जब उस चीते ने आदमी की आवाज में बोलना शुरू किया — "अब आगे से तुम यह जान लो कि मैं यानी तुम्हारा पति एक आदमी नहीं बल्कि एक चीता है और यही चीता तुमसे यह सब कह रहा है।

अगर तुम्हें अपनी ज़िन्दगी प्यारी है तो तुमको मेरा कहना शब्द ब शब्द मानना पड़ेगा क्योंकि मैं तुमसे आदमी की आवाज में बोल सकता हूँ और जो तुम कहोगी उसे समझ सकता हूँ। एक घंटे बाद हम लोग मेरे घर पहुँच जायेंगे। तुम उस घर की रानी होगी।

हमारे घर के सामने करीब छह टब रखे होंगे जिनको तुम्हें रोज किसी न किसी पकवान से भरना पड़ेगा जैसा कि तुम अपने घर में पकाती थीं। उस पकवान को बनाने के लिये सामान जुटाना मेरा काम है।"

ऐसा कह कर चीता उसे अपने घर के अन्दर ले गया।

लड़की का दुख और परेशानी कहने की बजाय समझी ज़्यादा जा सकती है क्योंकि अगर उसने किसी भी बात के लिये मना किया तो उसको मार डाला जायेगा। सो रोती रोती वह अपने पति के घर में घुसी।

चीते ने उसे घर में छोड़ा और खुद वह बाहर चला गया। बाहर से वह कई काशीफल और कुछ मॉस ले कर लौटा। उसने जल्दी से उसकी सब्जी बनायी और अपने पति को खाने के लिये दी।

खा पी कर वह फिर बाहर गया और शाम को फिर बहुत सारी सब्जियॉ और कुछ और मॉस ले कर घर वापस लौटा और उससे कहा — "हर सुबह मैं खाने का सामान और शिकार लेने जाऊॅगा और शाम को आते समय उसे ले कर आऊॅगा। घर में जो भी हो तुम उसे मेरे लिये बना कर रखना।"

अगले दिन जैसे ही चीता बाहर चला गया उसने घर में रखा हुआ सामान बनाया और उससे सारे टब भर दिये। चार घंटे बाद चीता वापस आ गया और गुर्राया — "मुझे एक आदमी और एक स्त्री की खुशबू आ रही है।"

यह सुनते ही उसकी पत्नी ने डर के मारे अपने आपको घर में बन्द कर लिया।

जब चीते ने खाना खा लिया तो उसने अपनी पत्नी से दरवाजा खोलने के लिये कहा। पत्नी ने दरवाजा खोल दिया। दोनों कुछ देर तक बात करते रहे। उसके बाद चीता आराम करने के लिये लेट गया। आराम कर के उठा तो फिर शिकार के लिये चला गया।

इस तरह से कई दिन बीत गये। चीते की ब्राह्मण पत्नी को एक बेटा हुआ जो एक चीता ही था।

एक दिन जब चीता बाहर गया हुआ था तो उसकी पत्नी घर में अकेली बैठी बैठी रो रही थी कि एक कौआ आया और उस चावल में अपनी चोंच मारने लगा जो उसके पास बिखर गया था। उसने देखा कि लड़की रो रही थी तो उसके भी ऑसू आ गये।

लड़की ने पूछा — "क्या तुम मेरी कुछ सहायता कर सकते हो?"

कौआ बोला — "हॉ हॉ क्यों नहीं। बताओ मैं तुम्हारे लिये क्या कर सकता हूँ?"

सो लड़की एक ताड़ का पत्ता ले आयी और उस पर लोहे की कील से अपनी सारे दुख लिख दिये जो उसे वहॉ जंगल में थे। फिर उसने उसमें अपने भाइयों को लिखा था कि वे आ कर उसे छुड़ा कर ले जायें।

यह पत्ता उसने कौए के गले में बॉध दिया और कौआ उसका दुख जान कर उसके गॉव उसके घर चल दिया। वहॉ जा कर वह उसके एक भाई के सामने बैठ गया।

भाई ने पत्ता उसकी गर्दन से खोला और उसमें लिखा हुआ पढ़ा और अपने दूसरे भाइयों को बताया। तीनों भाइयों ने मॉ से रास्ते के लिये कुछ खाना मॉगा पर उसके पास तीनों के लिये काफी चावल

नहीं था सो उसने मिट्टी का एक बड़ा सा लौंदा बनाया और उसके ऊपर जितना चावल उसके पास था वह सब चिपका दिया।

रास्ते के लिये यह खाना ले कर वे जंगल की तरफ चल दिये।

वे बहुत दूर नहीं गये थे कि रास्ते में उनको एक गधा दिखायी दे गया। उनमें जो सबसे छोटा भाई था वह ज़रा हॅसी मजाक के मूड का था। उसने उस गधे को अपने साथ ले लिया। उसके दोनों बड़े भाइयों ने कुछ देर तक मना भी किया पर फिर उसको साथ ले चलने की इजाज़त दे दी।

आगे चल कर उनको एक चींटी मिली तो उसे बीच वाले भाई ने अपने साथ ले लिया। चींटी के पास ही ताड़ का एक पेड़ नीचे जमीन पर गिरा पड़ा था उसको सबसे बड़े भाई ने चीते को भगाने के लिये उठा लिया।

सूरज ऊपर चढ़ आया था सो तीनों को बहुत ज़ोर से भूख लग आयी। वे तीनों एक तालाब के पास बैठ गये और वह पोटली खोली जिसमें चावल का लौंदा रखा हुआ था।

यह देख कर उनको बहुत निराशा हुई कि वह तो मिट्टी का लौंदा था। पर क्योंकि वे बहुत भूखे थे सो तालाब का सारा पानी पी गये और फिर अपनी यात्रा पर चल दिये।

आगे चल कर उनको लोहे का एक टब मिला जो बराबर के गॉव के एक धोबी का था। उन्होंने उसे भी गधे चींटी और ताड़ के पेड़ के साथ उठा लिया और फिर चलने लगे।

अपनी बहिन के बताये रास्ते से जो उसने कौए के गले में बॉध कर भेजा था चल कर वे चीते के घर पहुँच गये।

अपने भाइयों को फिर से देख कर बहिन बहुत खुश हुई और उनका स्वागत करने के लिये बाहर भागी — "मेरे प्यारे भाइयो। मैं आज तुमको यहॉ देख कर कितनी खुश हूँ कि तुम लोग मुझे यहॉ बचाने के लिये आ गये हो।

पर चीते के घर लौटने का समय पास आ रहा है सो तुम लोग ऊपर वाले कमरे में छिप जाओ और वहॉ तब तक इन्तजार करो जब तक वह चला नहीं जाता है।" कह कर उसने अपने भाइयों को ऊपर चढ़ने में सहायता की।

तभी चीता आ गया। वहॉ आ कर उसको आदमी की खुशबू आयी। उसने आ कर अपनी पत्नी से पूछा कि क्या घर में कोई आदमी आया है तो उसने जवाब दिया "नहीं।"

पर उसके भाई जब अपनी चीज़ों के साथ ऊपर वाले कमरे में बैठे हुए थे तो उन्होंने उसको अपनी बहिन के साथ बात करते देखा तो वे तो बहुत डर गये। वे इतना डर गये कि उनमें सबसे छोटा भाई तो डर के मारे कॉपने लगा और सब नीचे फर्श पर गिर पड़े।

चीता भी उनको देख कर डर गया उसने अपनी पत्नी से पूछा — "यह सब क्या है?"

वह बोली — "कुछ नहीं ये आपके साले हैं। ये लोग यहॉ तीन घंटे पहले आये थे। और जब आपका खाना खत्म हो जाता तब ये आपसे मिलना चाहते थे।"

चीते ने अपने मन में सोचा कि इतने डरपोक लोग मेरे साले कैसे हो सकते हैं। फिर उसने उनसे बात करने के लिये कहा। इस बीच सबसे छोटे वाले भाई ने चींटी को गधे के कान में डाल दिया। चींटी ने उसके कान में जाते ही उसे काट लिया। जैसे ही चींटी ने उसके कान में काटा गधा बहुत ज़ोर ज़ोर से रेंकने लगा।

चीते ने अपनी पत्नी से पूछा — "ऐसा कैसे है कि तुम्हारे भाई की आवाज इतनी मोटी है।"

उसने फिर कहा कि "अपनी टॉगें दिखाओ।"

पहले दो मौकों पर चीते की बेवकूफी देख कर उनको बहुत हिम्मत आ गयी सो उन्होंने ताड़ के पेड़ को दिखा दिया।

चीता बोला — "ओह मेरे बाप की कसम मैंने ऐसी टॉग पहले कभी किसी की नहीं देखी।"

फिर उसने उनसे उनका पेट दिखाने के लिये कहा तो दूसरे भाई ने उसे धोबी वाला टब दिखा दिया। उसको देख कर तो चीता कॉप ही गया। वह बोला — "इतनी कड़ी आवाज, इतनी मजबूत टॉग और इतना बड़ा पेट। ऐसे लोग मैंने पहले कभी नहीं देखे।" और वह वहॉ से भाग गया।

अब तक काफी अँधेरा हो चुका था। भाइयों ने चीते के डर का फायदा उठाते हुए अपनी बहिन को साथ ले कर अपने घर वापस आने की सोची।

उसके पास जो थोड़ा बहुत खाना था उन्होंने वह खाना खाया और उससे तुरन्त चलने के लिये कहा।

उसकी अच्छी किस्मत से उसका चीता बच्चा उस समय सो रहा था। सो उसने उसके दो टुकड़े किये और दोनों को भट्टी के ऊपर टॉग दिया। और इस तरह बच्चे से भी छुटकारा पाने के बाद वह अपने भाइयों के साथ अपने घर की तरफ चल दी।

बाहर निकलने से पहले उसने बाहर के दरवाजे को अन्दर से बन्द किया और वह पीछे के दरवाजे से बाहर निकल गयी।

जैसे ही चीते के बच्चे ने आग के ऊपर भुनना शुरू किया तो उसमें से तेल टपकने लगा जिससे आग और भड़कने लगी।

जब चीता आधी रात को घर लौटा तो उसने घर का दरवाजा अन्दर से बन्द पाया और आग की हिस्स की आवाजें सुनी तो उसे ऐसा लगा जैसे मफ़िन पक रहे हों।

उसने अपने मन में सोचा "ओह तुम तो बड़ी होशियार हो। तुमने घर का दरवाजा अन्दर से बन्द कर रखा है और अपने भाइयों के लिये मफ़िन बना रही हो। देखते हैं कि हमको भी मफ़िन मिलते हैं या नहीं।"

ऐसा कहते हुए वह घर के पिछले दरवाजे की तरफ गया और उसमें से घर के अन्दर घुसा। वह यह देख कर तो बहुत ही परेशान हो गया कि उसका बच्चा दो टुकड़ों में कटा हुआ आग के ऊपर भुन रहा था। उसकी ब्राह्मण पत्नी वहॉ से चली गयी थी।

उसका सारा सामान इधर उधर पड़ा था और काफी सारा सामान जितना उसकी ब्राह्मण पत्नी अपने साथ आसानी से अपने साथ ले जा सकती थी अपने साथ ले गयी थी।

चीते को अब अपनी पत्नी की धोखाधड़ी का पता चल गया था। उसका दिल अपने बेटे के लिये रो पड़ा जो अब ज़िन्दा नहीं था। उसने अपनी पत्नी से इसका बदला लेने का और उसको जंगल वापस लाने का सोच लिया। उसने सोचा कि वह उसके केवल दो ही नहीं बल्कि कई सारे टुकड़े करेगा।

पर वह उसको वापस कैसे लाये?

उसने फिर से एक नौजवान दुलहे की शक्ल रखी। उसने यह भी ध्यान रखा कि वह उससे कुछ बड़ा दिखायी दे जितना वह पहली शादी के समय था।

अगली सुबह वह अपने ससुर के घर चल दिया। उसकी पत्नी और उसके सालों ने उसको दूर से ही आते देख लिया। वे समझ गये थे कि इस बार भी उसने धोखा देने वाली शक्ल बना रखी है। वे उसको मारने के लिये तैयार हो गये।

छोटे वाले भाई उसके लिये बहुत सारा खाना जुटाने में लग गये। चीता उनकी मेहमानदारी से बहुत खुश हुआ।

उनके घर के पीछे एक कुॅआ बेकार पड़ा था। सबसे बड़े भाई ने उसका मुॅह पतली डंडियों से ढक दिया और उसके ऊपर एक बढ़िया सी चटाई बिछा दी।

रीति रिवाज के अनुसार खाना खाना से पहले उसको तेल लगा कर नहाने के लिये कहा गया। उसके तीनों सालों ने उससे कहा कि वह उस बढ़िया चटाई पर बैठ कर नहाये।

सो जैसे ही वह उस पर बैठा वे पतली डंडियॉ उसका बोझ नहीं सॅभाल सकीं और वह उस कुॅए में गिर गया।

तीनों भाइयों ने मिल कर उस कुॅए में पत्थर और और बहुत सारा कचरा डाल दिया। चीता उस कुॅए में घुट कर मर गया और फिर शरारत के लायक ही नहीं रहा।

ब्राह्मण लड़की ने अपनी चीते के साथ शादी की यादगार में उस कुॅए के ऊपर एक खम्भा खड़ा करवा दिया और उसके ऊपर तुलसी का एक पौधा लगा दिया।

अपनी सारी उम्र वह सुबह शाम उस खम्भे को गाय के गोबर से लीपती पोतती रही और तुलसी के पौधे को पानी देती रही।

8 बन्द कमरा[20]

एक बार की बात है कि एक नीच जादूगर भिखारी के वेश में घर घर भीख मॉगने जाया करता था और जहॉ भी उसको कोई सुन्दर लड़की दिखायी देती वह उसको पकड़ लाया करता था और फिर उनमें से कोई भी लड़की घर वापस नहीं पहुॅचती थी।

एक दिन जब वह भीख मॉगने गया तो उसने एक ऐसे घर का दरवाजा खटखटाया जहॉ एक बूढ़ा अपनी तीन सुन्दर बेटियों के साथ रहता था।

जब उसने उस बूढ़े के घर का दरवाजा खटखटाया तो उसकी सबसे बड़ी बेटी ने घर का दरवाजा खोला और उसको डबल रोटी का एक टुकड़ा दिया।

जब उस लड़की ने उसको वह रोटी का टुकड़ा दिया तो उस जादूगर ने उसका हाथ छुआ और उसके ऊपर जादू डाल दिया[21]।

---

[20] The Forbidden Chamber (La Camara Prohibida) – a folktale from Mexico, North America.
Adapted from the Web Site : http://www.g-world.org/magictales/camara.html
Adopted, retold and written by Srita Delia Servin.
Compare to "How the Satan Married the Three Sisters" from the Book "Italian Popular Tales" by Thomas Crane, 1885. Hindi translation of this book is available from hindifolktales@gmail.com .
[Author's Note : This tale in appoximately this form is known over most of Europe from Germany eastward. Its area of greatest popularity is found in the Baltic States and in Norway. In the North, it seems to go no farther than the Urals, but it is found in Palestine and has several versions in India. It has also been reported by the Eskimos as well as by the natives of Puerto Rico. Aside from the Puerto Rican versions, I have not run across any versions in Latin America. This particular tale has never been thoroughly studied although Norway is considered an important center of dissemination of this tale, if not its original home.]

[21] Translated for the word "Hypnotized"

फिर उसने उसको अपनी टोकरी में बिठा लिया जो वह हमेशा अपनी पीठ पर लटकाये घूमता था।

उस टोकरी को ले कर वह जंगल की तरफ अपने घर चला और उस लड़की को वहॉ अपने घर में रख दिया। उस लड़की को वहॉ सब कुछ बहुत अच्छा लगा। उसे जो कुछ भी चाहिये था वह सब कुछ वहॉ मौजूद था।

कुछ दिन बाद जादूगर ने उस लड़की से कहा कि उसको किसी काम से बाहर जाना है सो वह घर की सारी चाभियॉ उसके पास छोड़ जायेगा।

वह उसकी गैरहाजिरी में किसी भी कमरे में जा सकती थी सिवाय एक कमरे के। क्योंकि अगर वह उस कमरे में गयी तो वह यकीनन ही मर जायेगी। फिर उसने उसको एक अंडा दिया और उसको ठीक से सॅभाल कर रखने के लिये कहा।

जैसे ही वह जादूगर अपने काम से बाहर चला गया उस लड़की ने घर के सारे कमरे खोल खोल कर देखने शुरू कर दिये। हर कमरे में उसको बहुत सुन्दर सुन्दर चीज़ें रखी मिलीं। उनको देख कर उसका दिल खुश हो गया।

आखीर में वह उस बन्द कमरे के पास आयी जिसको उस जादूगर ने उसे खोलने से मना किया था। एक पल को तो वह हिचकिचायी पर फिर वह उसको खोल कर देखने के लिये इतनी उत्सुक हो गयी कि आखिर उसने उसका ताला खोल ही दिया।

उस कमरे के अन्दर जो देखा तो उसको देख कर तो वह कॉप गयी। उस कमरे में सैंकड़ों लड़कियॉ थीं जिनको वह जादूगर उठा कर ले आया था और जो अब सोयी हुई सी लग रही थीं।

पहले तो वह लड़की यह सब देख कर बहुत डर गयी फिर वह वहॉ से निकल कर उससे जितनी तेज़ हो सकता था वहॉ से भाग गयी।

इस हबड़ा तबड़ी में उसका वह अंडा गिर गया जो उसको वह जादूगर सॅभाल कर रखने के लिये दे गया था। पर उसको यह देख कर बहुत आश्चर्य हुआ कि वह अंडा गिर कर भी टूटा नहीं।

उसने उसे उठाया तो उसने देखा कि वह लाल हो गया है। उस ने उसे साफ करने की कोशिश भी की पर वह वह साफ ही नहीं हुआ लाल ही रहा।

कुछ देर बाद जादूगर वापस आ गया। जादूगर ने देखा कि अंडे को कुछ हो गया था। यह देख कर उसका शक पक्का हो गया कि उस लड़की ने जरूर ही उस बन्द कमरे को खोला है।

उसने उस लड़की को खूब पीटा और घसीट कर उसी बन्द कमरे में ले जा कर उसको दूसरी लड़कियों के साथ वहीं बन्द कर दिया।

जादूगर वापस फिर उसी लड़की के घर गया और उस बूढ़े की दूसरी बेटी को भी उठा लाया। उसने उसके साथ भी उसने वही किया जो उसने उसकी बड़ी बहिन के साथ किया था।

वह उसके घर फिर गया और उस बूढ़े की तीसरी बेटी को भी उठा लाया। पर उसकी यह बेटी बहुत होशियार थी।

जादूगर ने इस लड़की के साथ भी यही चाल खेलने की कोशिश की। उसने इस लड़की को भी कहा कि वह घर के बाहर जा रहा है। फिर उसने उसको घर की सब चाभियॉ और अंडा दिया और केवल एक कमरे को न खोलने के लिये कहा।

जब जादूगर उसको घर की सब चाभियॉ और अंडा दे कर चला गया तो अंडा तो उसने एक आलमारी में उठा कर रख दिया और चाभियॉ ले कर वह उस बन्द कमरे की तरफ चली।

वह भी उस कमरे में इतनी सारी लड़कियों को सोते देख कर आश्चर्य में पड़ गयी। पर वहॉ उसने उसमें अपनी दोनों बहिनों को पहचान लिया।

उस समय तो उसने दरवाजा बन्द कर दिया और वहॉ से चली आयी। जब उसने जादूगर के लौट कर आने की आवाज सुनी तो उसने उसकी चाभियॉ और अंडा उठाया और उसके पास चल दी।

जादूगर वह चाभियॉ और अंडा सही सलामत पा कर बहुत खुश हुआ और उससे बोला — "तुम मेरी पत्नी बनने के लायक हो क्योंकि तुमने मेरा कहना माना और उस कमरे को खोलने की अपनी उत्सुकता को दबा कर रखा।"

उस लड़की के इस अंडे और चाभियों को इस तरह से ठीक से लौटाने ने जादूगर का जादू तोड़ दिया। जैसे ही उस लड़की ने उस

जादूगर का जादू तोड़ा तो उस जादूगर की ताकत भी चली गयी। अब वह लड़की उसके साथ जो चाहे कर सकती थी क्योंकि अब वह जादूगर नहीं रहा था एक साधारण आदमी हो गया था।

उसने जादूगर की चाभियॉ लीं और उस बन्द कमरे में गयी और उसने सारी सोती हुई लड़कियों को जगा दिया। फिर वह जादूगर के पास गयी और उससे बोली — "इससे पहले कि तुम मुझसे शादी करो तुम मेरे माता पिता को एक टोकरी भर कर सोना दे कर आओ।"

उस लड़की ने एक बड़ी सी टोकरी ली और उसमें अपनी दोनों बहिनों को रखा। फिर उनको सोने से ढक कर वह जादूगर से बोली — "लो यह टोकरी ले कर मेरे माता पिता के पास चले जाओ और उनको यह सोना दे आओ। और देखो सड़क पर बीच में कहीं भी रुकना नहीं क्योंकि मैं तुमको यहॉ खिड़की से देखती रहूँगी।"

जादूगर उस टोकरी को ले कर उस लड़की के घर चला पर थोड़ी ही देर में वह थक गया तो सुस्ताने के लिये बैठ गया। पर तभी उसने एक आवाज सुनी — "मैं तुमको खिड़की से देख रही हूँ। तुम बैठो नहीं बस चलते जाओ।"

उसको लगा कि यह उसकी होने वाली पत्नी की आवाज है सो वह उठ बैठा और फिर से चलने लगा। पर जब भी वह सुस्ताने के लिये रुकता तभी उसको वह आवाज सुनायी पड़ती सो वह फिर चलने लगता।

आखिर वह अपनी होने वाली पत्नी के माता पिता के घर पहुॅच गया। वह टोकरी उसने वहीं दरवाजे पर ही छोड़ दी और वापस अपने घर चल दिया।

इस बीच में उस लड़की ने कार्डबोर्ड का एक टुकड़ा लिया और उसका अपने सिर जैसा एक सिर बना लिया और उसको दूसरी मंजिल की खिड़की के पत्थर पर रख दिया। इससे ऐसा लग रहा था जैसे उस जादूगर को कोई खिड़की में से देख रहा हो।

इसके बाद वह उस बन्द कमरे में गयी और दूसरी सब लड़कियों को आजाद किया और उन सबको अपनी शादी में बुलाया।

फिर उसने अपने सारे शरीर को पंखों से ढक लिया जैसे कि वह कोई बहुत ही नयी सी चिड़िया हो ताकि कोई उसको पहचान न सके और वह घर से बाहर निकली।

घर से बाहर निकल कर वह अपने उन मेहमानों से मिली जिनको उसने अपनी शादी में बुलाया था। मेहमानों ने उससे पूछा — "ओ सुन्दर चिड़िया तुम कहॉ से आयी हो?"

वह लड़की बोली — "मैं उस घर से आयी हूॅ जहॉ जादूगर की शादी हो रही है।"

उन्होंने फिर पूछा — "हमें भी तो बताओ कि उसकी सुन्दर दुलहिन क्या करती है?"

"वह शादी की सुन्दर पोशाक पहन कर खिड़की से बाहर झॉकती है।"

जब जादूगर घर लौटा तो उसने देखा कि उसके घर की दूसरी मंजिल की खिड़की खुली है। उसने ऊपर देखा तो उसको उस लड़की का वह कार्डबोर्ड का बनाया हुआ सिर दिखायी दिया।

उसको लगा कि वह उसकी होने वाली पत्नी का सिर है सो वह परेशान हो कर घर के अन्दर भागा तो वहॉ तो उस लड़की की बहिनें और पूरा परिवार मौजूद था।

वे सब मिल कर उसको उसी बन्द कमरे में घसीट कर ले गये। उस कमरे को ताला लगा दिया और उसमें आग लगा दी।

इस तरह उस लड़की ने उस जादूगर और उसके बन्द कमरे का अन्त किया।

9 नीली दाढ़ी वाला–औवर्न का एक चरित्र[22]

औवर्न के पहाड़ों पर ऊॅची ऊॅची मीनारों वाला एक बहुत ही शानदार किला बना हुआ था। कोई भी केवल एक उठाने वाले पुल से हो कर ही उसके अन्दर घुस सकता था जो फिर तुरन्त ही बन्द हो जाता था।

उस देश में यह कहा जाता था कि जो कोई भी उस किले के अन्दर गया वह फिर कभी वापस नहीं आया। इसलिये लोग उसे शापित किला भी कहते थे।

लोग उधर से जाने से भी बचते रहते थे क्योंकि वह बहुत ही नीच आदमी था। वह बहुत लम्बा था और बहुत ही ताकतवर था। वह हमेशा अपना जिरहबख्तर पहने रहता था और अपने काले घोड़े पर सवार रहता था।

उसकी बहुत लम्बी दाढ़ी थी जो नीली चमकती रहती थी इसी लिये लोग उसको नीली दाढ़ी वाला कह कर पुकारते थे। वह हमेशा अकेला रहता था और किसी को उसके किसी दोस्त का भी पता नहीं था।

---

[22] Bluebeared: a Legend from Auvergne (Cantal).
Antoinette Bon, "Barbe-Bleue: Légende d'Auvergne (Cantal)," Revue des traditions populaires, vol. 2 (Paris, 1898). Taken from the Web Site : books.google.com
Available also on : Internet Archive: Antoinette Bon, "Barbe-Bleue: Légende d'Auvergne (Cantal)," Revue des traditions populaires, vol. 2 (Paris, 1898).
Bon's source: "Narrated by Jean Raynaud, an old weaver."

खास कर स्त्रियॉ उससे बहुत डरती थीं क्योंकि उसके बारे में यह प्रसिद्ध था कि जो लड़की भी उसको अच्छी लगती थी वह उसे उठा कर अपने किले में ले जाता था। फिर वे कभी दिखायी नहीं देती थीं।

एक दिन फादर बरीज़ की सुन्दर बेटी कैथरीन[23] जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने गयी। वह उस दिन बहुत खुश थी क्योंकि उसकी शादी उस क्षेत्र के सबसे सुन्दर लड़के से तय हुई थी। उनकी शादी फसल कट जाने के बाद होने वाली थी।

गाती गुनगुनाती वह जंगल में थोड़ी दूर तक चली गयी जहॉ तक "तीन साधुओं की पगडंडी" जाती थी। उसके दिमाग में नीच नीली दाढ़ी वाले का कोई विचार भी नहीं था। उसने सूखी शाखों का एक गट्ठर तैयार किया और वह अपने घर को अपने पिता के पास लौटने ही वाली थी कि अचानक से नीली दाढ़ी वाला वहॉ उसके सामने आ गया।

उसने उसे पकड़ कर अपने घोड़े पर अपने सामने बिठा लिया और अपने किले की ओर चला गया। वह उसे एक बहुत सुन्दर कमरे में ले गया जहॉ का फर्नीचर सिल्क सोने और चॉदी से ढका हुआ था।

उसे वहॉ बिठा कर कहा — "यह सब तुम्हारा है कैथरीन। क्योंकि तीन दिन में ही तुम मेरी पत्नी बन जाओगी। यह कुछ

[23] Beautiful daughter of Father Barriez

कपड़ा है जिससे तुम्हारी पोशाकें बनायी जायेंगी क्योंकि मैं चाहता हूॅ कि तुम हमारी शादी के दिन बहुत सुन्दर लगो।

तुम किले के चैपल में जा कर अपनी प्रार्थना कह सकती हो पर हॉ यहॉ से भागने की कोशिश मत करना। यह कोशिश तुम्हारी बेकार ही होगी। उठाने वाला पुल उठा हुआ है मीनारें बहुत ऊॅची हैं और खाइयॉ बहुत गहरी हैं।

तुम्हें एक कुत्ता भौंकता हुआ सुनायी दे रहा है न। अगर तुम भागोगी तो वह तुम्हें अवश्य ही खा जायेगा अगर उसने तुम्हें पकड़ लिया तो।

इसके अलावा तुम अपने पिता के घर से बहुत दूर भी तो हो। तुम वहॉ एक हफ्ते के अन्दर अन्दर नहीं पहुॅच सकतीं। या तो तुम थकान से मर जाओगी या फिर इतनी देर में मैं तुम्हें पकड़ लूॅगा और मार दूॅगा।"

लड़की बेचारी ने उससे बहुत विनती की कि वह उसे उसके पिता के पास या फिर उसके होने वाले पति के पास जाने दे पर सब बेकार। नीली दाढ़ी वाला उसको वहीं छोड़ कर चला गया और उससे कहता गया कि वह किसी पादरी को खोजने जा रहा है जो उनकी शादी करायेगा। बाद में वह उसे भी मरवा डालेगा।

यह सुन कर कैथरीन बहुत डर गयी क्योंकि उसने कई बार यह सुना था कि नीली दाढ़ी वाले की कई पत्नियॉ थीं और वह उनको शादी करने के कुछ दिन बाद ही मार देता था। वह तो इस बात से

बहुत दुखी थी कि अब वह कभी अपने होने वाले दुलहे को नहीं देख पायेगी जिससे वह बहुत प्यार करती थी।

फिर वह वहॉ से चैपल में गयी जहॉ बहुत सारी रोशनी हो रही थी। वहॉ की सारी मोमबत्तियॉ जल रही थीं। वह यह देख कर बहुत आश्चर्यचकित भी हो गयी और डर भी गयी जब उसने वहॉ पूजा करने की जगह के सामने तीन बहुत बड़े पत्थर और तीन कब्रें देखीं।

कैथरीन वहॉ झुकी और उसने अपनी प्रार्थना कहनी शुरू की। साथ में वह रोती भी जा रही थी। कि अचानक उसने एक आवाज सुनी "बेचारी कैथरीन"। तभी किसी दूसरी आवाज ने कहा "बेचारी कैथरीन"। और फिर एक तीसरी आवाज ने भी कहा "बेचारी कैथरीन"।

उसी समय तीनों बड़े पत्थर जो तीनों कब्रों को ढके हुए थे ऊपर उठ गये। यह देख कर उसने पूछा "आप लोग कौन हैं और आप तीनों मुझ पर यह दया क्यों दिखा रहे हैं।"

तीन स्त्रियॉ जो कफ़न में लिपटी हुई थीं कब्र में से बाहर निकल आयीं और उससे कहने लगीं "हम वे तीन स्त्रियॉ हैं जिन्हें नीली दाढ़ी वाले ने मार डाला है। और अगर तुमने अपने आपको नहीं बचा लिया तो मरने वालों में तुम चौथी होगी।"

कैथरीन ने पूछा — "और मैं यहॉ से कैसे भाग सकती हूॅ? उठाने वाला पुल ऊपर है मीनारें ऊॅची हैं और खाइयॉ गहरी हैं।

कुत्ता मुझे खा जायेगा। मेरे पिता के घर जाने की सड़क इतनी लम्बी इतनी लम्बी है कि वहॉ एक हफ्ते में भी नहीं पहुँच पाऊँगी।"

पहली वाली ने उसे एक रस्सी देते हुए कहा — "लो यह रस्सी लो जिससे नीली दाढ़ी वाले ने मेरा गला घोटा था। इससे तुम दीवार के सहारे नीचे उतरने में सफल हो जाओगी।"

दूसरी वाली ने उसे जहर देते हुए कहा — "लो यह जहर लो जिससे नीली दाढ़ी वाले ने मुझे जहर दे कर मारा था। इसको तुम कुत्ते को दे देना जिससे कुत्ता मर जायेगा।"

तीसरी वाली ने कहा — "लो यह डंडी लो जिससे नीली दाढ़ी वाले ने मार मार कर मुझे मारा था। यह डंडी तुम्हें तुम्हारी लम्बी यात्रा में सहायक होगी।"

फिर तीनों एक साथ बोलीं — "जल्दी करो क्योंकि अगर नीली दाढ़ी वाला वापस आ गया तो वह तुम्हें मार देगा। तुम्हारे यहॉ से बाहर निकलने के लिये तुमको शुभ कामनाऐं कैथरीन। अच्छा विदा।"

कह कर वे अपनी अपनी कब्रों में चली गयीं।

कैथरीन ने जहर रस्सी और डंडी ली और वहॉ से भागने के लिये चल दी। जहर उसने आंगन में खड़े कुत्ते को फेंका। वह कुत्ता उसकी ओर दौड़ा और उसका फेंका हुआ जहर खा लिया। खा कर वह ऐसे गिर गया जैसे उसके ऊपर कोई बिजली गिर गयी हो।

फिर उसने अपनी कमर में रस्सी बॉधी और दीवार के सहारे नीचे उतर गयी। एक बार वह मैदान में पहुॅच गयी तो उसने वहॉ से भागना शुरू कर दिया।

वह जल्दी से जल्दी इस शापित किले से बहुत दूर चली जाना चाहती थी। जल्दी ही वह थक गयी सो वह डंडी के सहारे खड़ी हो गयी। काफी दूर तक चलने के बाद वह अपने पिता के पास आ गयी जो ऑगीठी के सहारे बैठा बैठा रो रहा था क्योंकि वह सोच रहा था कि भेड़िये उसकी बेटी को खा गये।

एक महीने बाद कैथरीन की शादी उसके प्रेमी से हो गयी। वे बहुत खुश हुए। उनके कई बच्चे हुए। उसके बाद वह फिर कभी जंगल नहीं गयी पर उसको बाद में पता चला कि जब नीली दाढ़ी वाला घर लौटा तो उसे घर में न पा कर बहुत गुस्सा हुआ।

वह उसके पीछे पीछे भागा ताकि वह उसे किले में वापस ला सके और उसे बहुत दुख दे सके फिर बाद में मार भी सके। इस आशा में वह तीन महीनों तक इधर उधर घूमता रहा पर वह उसे नहीं मिली।

एक दिन वह ठीक उसी जगह मरा हुआ पाया गया जहॉ वह कैथरीन से मिला था। सुना गया कि एक वीयरवुल्फ़ ने उसे मार दिया था।

बहुत दिनों बाद भी "तीन साधुओं की पगडंडी" पर रात को कराहने की आवाजें सुनी जाती रहीं। कहते हैं कि वे उन स्त्रियों

और पुजारियों की थीं जिनको उसने मारा था। वहॉ रहने वाले उधर शाम के बाद जब मुर्गे मुर्गियॉ अपने अपने दड़बों में चले जाते थे नहीं जाते थे।

बहुत दिनों बाद तक लोगों ने जहॉ नीली दाढ़ी वाले का किला था वहॉ सफेद धब्बे और भूत आदि घूमते देखे थे।

10 सुनहरी दाढ़ी वाला नाइट[24]

नीली दाढ़ी वाला जैसी यह कहानी स्विटज़रलैंड की कथाओं से ली गयी है। एक बार की बात है कि एक कुलीन दिखायी देने वाला नाइट विस्पर घाटी[25] में रहने के लिये आया। उसे कोई नहीं जानता था। वह अपने काले घोड़े पर गर्व से सवारी करता था।

उसके घोड़े के साज़ के किनारों पर सोने का चौड़ी पट्टी लगी हुई थी। उसकी लगाम सबसे अच्छे लाल चमड़े की बनी हुई थी। अपने सिर पर वह हमेशा चॉदी का हैल्मैट पहनता था जिसमें बाज़ के पंख लगे रहते थे।

उसके चेहरे पर दाढ़ी थी जो ऐसी दिखायी देती थी जैसे सबसे बढ़िया सोने के धागों से बुनी हो। सारी लड़कियॉ उसको प्यार करती थीं। वह सबसे बहुत अच्छे तरीके से व्यवहार करता था और सबकी तारीफ करता था।

स्पष्ट रूप से वह एक राजकुमार की तरह से बहुत धनवान था क्योंकि हर रोज ही उसकी जेब से भेंटें निकलती रहतीं जो वह पहले एक लड़की को देता फिर दूसरी को।

उस गॉव में उसका घर सबसे बड़ा था। यह घर एक परिवार का था जिसके एक बड़ा बेटा था और तीन सुन्दर बेटियॉ थीं। उस

[24] Knight Goldbeard. By Johannes Jegerlehner as "Ritter Goldbart". 1907. Taken from the Web Site : https://sites.pitt.edu/~dash/type0312.html

[25] Visper Valley (Switzerland)

परिवार की दोनों बड़ी बेटियों को कोई प्यार नहीं करता था क्योंकि वे बहुत जिद्दी थीं। पर उनकी सबसे छोटी बेटी को सब प्यार करते थे और उसका सम्मान करते थे क्योंकि वह बहुत ही सुन्दर और शान्त स्वभाव की थी।

उसे संगीत पसन्द था और अक्सर हर शाम को वह अपना डल्सीमर कुछ इस तरह बजाया करती थी कि चिड़ियें अपना गाना भूल जाती थीं और घाटी में जो नदी बहती थी वह और अधिक शान्ति से बहने लगती थी।

नाइट उन तीनों लड़कियों के साथ खूब हॅसता था और उनको खूब चिढ़ाता भी था। कभी किसी को तो कभी किसी को। इससे उनमें से हर एक लड़की यह समझती थी कि वही उसकी असली प्रेमिका है।

वह हर एक के कान में यही फुसफुसाता कि वही उसकी प्रेमिका है पर यह बात वह किसी और से न कहे। इस तरह हर लड़की उस पर विश्वास करती थी और एक दूसरे से कुछ भी नहीं कहती थी।

नाइट का अपना कमरा सबसे छोटी लड़की के कमरे के ऊपर था। वह हर सुबह को जब नाइट उठता था तो उसको तीन अलग अलग आवाजों में गाते हुए सुनती थी।

उसने ऐसा संगीत पहले कभी नहीं सुना था। यह संगीत उसे अपने डल्सीमर के तारों की धुन से भी अधिक प्यारा लगता था। वह उसे दिल से उससे सीखना चाहती थी।

बहुत दिनों तक तो उसकी यह हिम्मत ही नहीं हुई कि वह इसके बारे में उससे कुछ कहे पर जब नाइट ने उसे अपनी प्रेमिका कह कर पुकारा और साथ में छिप कर चूम भी लिया तब उसकी उससे यह बात कहने की हिम्मत हो आयी।

एक दिन उसने उससे विनती की कि वह उसे तीन अलग अलग आवाजों में गाना सिखा दे। उसने उसके गाल थपथपाये और कहा — "कल शाम को हम लोग घूमने के लिये जंगल जायेंगे वहॉ मैं तुम्हें ऐसा गाना इतना सुन्दर सिखा दूँगा कि तुम अपनी आवाज सुन कर ही खामोश हो जाओगी।"

अगले दिन वह लड़की गॉव में इधर उधर घूमती फिरी और सबसे कहती रही कि जल्दी ही वह भी नाइट की तरह से गाने लगेगी। नाइट ने उससे इस बात का वायदा किया है और नाइट हमेशा अपना वायदा निभाते हैं।

सुनहरी दाढ़ी वाले नाइट ने दूसरी दोनों बहिनों से भी यही वायदा किया था। सुबह सवेरे ही वह सबसे बड़ी वाली लड़की को जंगल ले गया। जंगल पहुँच कर लड़की ने नाइट की बॉह पकड़ ली और सावधानी से चारों ओर देखा और खुशी से भर गयी।

अचानक नाइट ने उसे घुटनों पर बैठने के लिये कहा। लड़की डर गयी। उसने डरी हुई लड़की की गर्दन में रस्सी का फन्दा डाल दिया और वहीं पास के एक पेड़ से लटका दिया और वापस गॉव चला गया जहॉ दूसरी लड़की उसका इन्तजार कर रही थी।

दूसरी लड़की को इस बात का ज़रा भी पता नहीं था कि उसके साथ क्या होने वाला है। दोपहर को वह दूसरी लड़की को भी जंगल में ले गया और उसने उसके साथ भी वही किया जो उसने उसकी बड़ी बहिन के साथ किया था।

उसने उसकी गर्दन में भी रस्सी का फन्दा डाल कर उसे भी उसकी बहिन के पास वाले पेड़ से लटका दिया।

शाम को उसने तीसरी लड़की को लिया और उसको भी जंगल ले गया। वह बहुत खुश थी कि उस तरह का गाना सीखने के बाद वह भी उसी तरह से गाना सीख जायेगी।

अब जैसा कि नाइट ने उसकी दोनों बड़ी बहिनों के साथ किया था वह उसको भी उसकी बॉह पकड़ कर जंगल में ले गया। उसने उसे कई सुन्दर सुन्दर कहानियॉ सुनायीं।

जब वे जंगल के बीच में पहुँच गये तो अचानक उसकी आवाज बदल गयी। उसने इस लड़की को भी अपने घुटने पर बैठने के लिये कहा। लड़की चौंक गयी। उसने अपने दोनों हाथ जोड़ दिये और आसमान की ओर देखने लगी।

ऊपर नजर डालते ही उसको अपनी दोनों बहिनें वहॉ दो पेड़ों से लटकती दिखायी दीं उसकी एक ज़ोर की चीख निकल गयी। अपने हाथ मलते हुए उसने उससे दया की भीख मॉगी।

पर नाइट बोला — "तुमको तो मरना ही पड़ेगा। तुम्हारी दो बहिनें वहॉ पेड़ पर लटक रही हैं। अब तुम तीसरी हो।"

जब लड़की ने देखा कि वह उसकी किसी भी प्रकार की विनती से नहीं मान रहा है तो उसने कहा कि वह उसे मारने से पहले तीन बार ज़ोर की आवाज निकालने की इजाज़त दे दे।

उसने कठोर मुस्कुराहट के साथ कहा — "ओ मेरी प्यारी फाख्ता। तुम गा लो पर इससे तुम्हारा कुछ भला नहीं होने वाला।"

वे दोनों इस समय बहुत घने जंगल में खड़े थे जहॉ चीड़ के लम्बे लम्बे पेड़ एक दूसरे से सटे हुए खड़े थे। वहॉ से कोई भी गॉव दिखायी नहीं देता था।

उसने पहली आवाज लगायी — "पिता जी। जल्दी आइये नहीं तो मैं यहॉ जंगल में मर जाऊॅगी।"

सब कुछ शान्त था। नाइट भी हाथ में रस्सी लिये बिना हिले डुले चुपचाप खड़ा रहा। बस शाम की एक चिड़िया गा उठी।

लड़की ने एक लम्बी सॉस ली और फिर दूसरी बार चिल्लायी — "मॉ। जल्दी आओ वरना मैं जंगल में मर जाऊॅगी।"

हवा बड़ी कोमलता से पेड़ों के बीच से बही और कहीं दूर से एक शिकारी का बिगुल सुनायी दिया।

लड़की ने एक बार कातिल के पथरीले चेहरे की ओर देखा तो उसने इशारा किया कि "जल्दी करो।"

फिर वह तीसरी बार अपनी पूरी ताकत से चिल्लायी — "भैया। जल्दी आओ नहीं तो मैं जंगल में मर जाऊॅगी।"

इतनी ज़ोर से चिल्लाने पर उसके घुटने कॉप गये और उसने डर से नाइट की ओर देखा जो रस्सी का फन्दा ढीला कर रहा था। तभी झाड़ियों के बीच से किसी के आने की आवाज सुनायी दी। यह उसका भाई था जो शिकार पर आया हुआ था। उसने उसकी आवाज सुन ली थी।

दुश्मन के आगे अपनी पीली पड़ी हुई बहिन को घुटनों पर बैठे देख कर वह चिल्लाया — "मेरी बहिन को छोड़ दो तुम्हारा इनाम आ रहा है।"

भाई ने अपनी राइफल उठायी और सीधे नाइट के सिर में गोली मार दी। उसकी बहिन अभी भी कॉप रही थी। वह उसे हाथ पकड़ कर घर ले गया और उससे कहा — "तुम यहॉ हमेशा के लिये रह सकती हो पर आज से कभी किसी भी नाइट पर भरोसा मत करना।"

अगले दिन दोनों बहिनों की लाशों को चर्च में दफ़ना दिया गया।

11 डौन फ़िरीयूलीडू[26]

एक बार की बात है कि एक किसान था जिसकी एक बेटी थी। वह बेटी उसका खाना ले कर खेत पर जाया करती थी।

एक दिन पिता ने अपनी बेटी से कहा — "कल मैं रास्ते में भूसा बिखेरता जाऊँगा ताकि तुझे मुझे ढूँढने में कोई परेशानी न हो। तू उस भूसे के पीछे पीछे आ जाना तो तू मुझ तक आ जायेगी।" पिता यह कह कर चला गया।

इत्तफाक की बात कि उस दिन एक बूढ़ा राक्षस[27] उधर से

गुजरा और रास्ते में भूसा बिखरा देखा तो सोचा यह तो बड़ी अच्छी चीज़ है। उसने वह भूसा उठा लिया और उसको अपने घर की तरफ जाने वाले रास्ते पर बिखरा दिया।

जब किसान की बेटी अपने पिता के लिये खाना ले जाने लगी तो अपने पिता के कहे अनुसार वह रास्ते में पड़े भूसे के पीछे चलती गयी। इस तरह से वह अपने पिता के पास पहुँचने की बजाय उस राक्षस के घर पहुँच गयी।

जब राक्षस ने उस लड़की को देखा तो उसने उससे कहा — "तुमको तो मेरी पत्नी होना चाहिये।"

---

[26] Don Firriulieddu. A folktale from Italy. By Thomas Frederick Crane. "Italian Popular Tales". London: Macmillan. 1885. This whole book is available in Hindi from hindifolktales@gmail.com

[27] Translated for the word "Ogre"

यह सुन कर लड़की ने रोना शुरू कर दिया।

उधर लड़की के पिता ने देखा कि उसकी बेटी तो उस दिन खाना ले कर नहीं आयी। जब वह शाम को घर पहुँचा तो वह उसको घर में भी नहीं मिली। जब वह उसको कहीं भी नहीं मिली तो उसने भगवान से प्रार्थना की कि वह उसको एक और बेटा या बेटी दे दे।

एक साल बाद उसके एक बेटा हुआ जिसका नाम उन्होंने डौन फिरीयूलीडू रखा।

जब वह बेटा तीन दिन का हुआ तो उसने पूछा "क्या आपने मेरे लिये शाल[28] बनाया? आप मुझे एक शाल दे दें और एक कुत्ता दे दें क्योंकि मुझे अपनी बहिन को ढूँढना है।"

सो उसने शाल ओढ़ा और कुत्ता साथ लिया और अपनी बहिन को ढूँढने चल दिया। कुछ देर चलने के बाद वह एक मैदान में आ गया जहॉ बहुत सारे आदमी खड़े हुए अपने जानवर चरा रहे थे।

उसने उन चरवाहों से पूछा — "ये इतने सारे जानवर किसके हैं?"

चरवाहों ने जवाब दिया — "ये सब जानवर राक्षस के हैं जो न भगवान से डरता है और न किसी सेंट से। वह केवल डौन

[28] Translated for the word "Cloak". See its picture above.

फिरीयूलीडू से डरता है जो केवल तीन दिन का है और रास्ते में है।"

यह सुन कर डौन ने अपने कुत्ते को रोटी दी और कहा — "खा मेरे कुत्ते रोटी खा। और भौंक मत क्योंकि हमको अभी बहुत अच्छे अच्छे काम करने हैं।"

यह सुन कर कि वह राक्षस डौन फिरीयूलीडू से डरता है डौन फिरीयूलीडू आगे चला तो उसको बहुत सारी भेड़ें मिलीं तो उसने वहॉ भी उनके चरवाहों से पूछा — "ये इतनी सारी भेड़ें किसकी हैं?"

भेड़ों के उन चरवाहों ने भी उसको वही जवाब दिया जो जानवरों के चरवाहों ने दिया था — "ये सब भेड़ें राक्षस की हैं जो न भगवान से डरता है और न किसी सेंट से। वह केवल डौन फिरीयूलीडू से डरता है जो तीन दिन का है और रास्ते में है।"

अब वह राक्षस के घर तक आ पहुँचा था। वहॉ आ कर उसने राक्षस के घर का दरवाजा खटखटाया तो उसकी बहिन ने दरवाजा खोला। उसने देखा कि दरवाजे पर एक बच्चा खड़ा है तो उसने उससे पूछा — "तुम्हें कौन चाहिये?"

बच्चा बोला — "मैं तुम्हें ढूँढ रहा हूँ बहिन। मैं तुम्हारा भाई हूँ और तुम्हें घर ले जाने के लिये आया हूँ। अब तुम मॉ के पास अपने घर चलो।"

जब राक्षस ने सुना कि डौन फिरीयूलीडू वहॉ है तो वह ऊपर चला गया और डर के मारे वहॉ जा कर छिप गया।

डौन ने अपनी बहिन से पूछा — "राक्षस कहॉ है?"

"ऊपर है।"

डौन ने अपने कुत्ते से कहा — "तुम ऊपर जाओ और भौंको मैं अभी आता हूँ।"

मालिक का हुक्म पाते ही कुत्ता ऊपर चला गया और जा कर भौकने लगा। डौन फिरीयूलीडू उसके पीछे पीछे चला गया और राक्षस को मार दिया। वहॉ से उसने फिर उस राक्षस का सारा पैसा लिया और अपनी बहिन को ले कर घर वापस आ गया।

सब लोग खुशी खुशी रहने लगे।

12 छोटा लड़का और उसके कुत्ते[29]

चाचा रेमस के छोटे छोटे बच्चे उसकी इससे पहले वाली कहानी "जादूगरनी कैसे पकड़ी गयी"[30] में एक स्त्री के जलने के बारे में सुन कर इतने घबरा गये कि बूढ़े को एकदम से ही उनको एक छोटे लड़के और उसके दो कुत्तों की कहानी सुनानी पड़ी।

एक बार की बात है एक स्त्री सड़क के किनारे रहती थी। इस स्त्री के एक छोटा सा बेटा था। मुझे लगता है कि वह शायद तुम लोगों के साइज़ का ही होगा।

हो सकता है कि उसके कन्धे तुम लोगों के कन्धों से कुछ अधिक चौड़े हों और उसकी टॉगें भी तुम्हारी टॉगों से कुछ अधिक लम्बी हों। पर थोड़ा इधर या उधर पर वह तुम लोगों जैसा ही था।

वह एक बहुत ही ताकतवर चुस्त छोटा लड़का था। उसकी मॉ उसे बहुत प्यार करती थी। ऐसा लगता था जैसे उसकी किस्मत में उससे अधिक अच्छा और कुछ था ही नहीं।

क्योंकि एक बार उसके एक बेटी हुई और भगवान तुम्हारा भला करे कोई आया और उसको उठा कर ले गया। और फिर उस छोटे लड़के की कोई छोटी बहिन रही ही नहीं। इससे दोनों को बहुत

---

[29] The Little Boy and His Dogs. An African-American tale. By Joel Chandler Harris. In " Daddy Jake, the Runaway; and, Short Stories Told After Dark by "Uncle Remus". NY: The Century Company, 1896. Taken from the Web Site : https://sites.pitt.edu/~dash/type0312.html
Its language is not very good to understand.

[30] Uncle Remus told the chidren "How the Witch Was Caught" before this story.

दुख हुआ पर इसका दुख लड़के को सबसे अधिक हुआ क्योंकि उसी के चेहरे से सबसे ज़्यादा दुख नजर आता था।

कुछ दिन तक तो वह यही सोचता रहा कि वह बाहर जाये और अपनी बहिन को ढूँढे। फिर वह वह उसे ढूँढने चल दिया। वह एक ऊँचे पेड़ पर चढ़ गया और चारों ओर देखने लगा कि शायद जंगल में कहीं उसे उसकी बहिन दिखायी दे जाये।

पर वह उसको वहॉ कहीं दिखायी नहीं दी फिर भी वह उस पेड़ पर ही बैठा रहा। हवा में झूलता रहा और इस कोशिश में लगा रहा कि शायद वह उसे कहीं दिखायी दे जाये।

एक दिन जब वह पेड़ पर इस तरह से बैठा बैठा अपनी बहिन को खोज रहा था उसे ऊँचे घर की दो सुन्दर स्त्रियॉ सड़क पर जाती दिखायी दीं। वह तुरन्त ही पेड़ पर से उतरा और अपनी मॉ से यह बताने के लिये घर दौड़ गया।

उसने पूछा — "बेटे वे कितने ऊँचे घर की थीं।"

बेटा बोला — "मॉ वे बहुत बहुत ऊँचे घर की थीं। उनके पैटीकोट बहुत फूले हुए थे और उनके चेहरे पर लम्बे लम्बे हरे परदे पड़े हुए थे।"

मॉ ने फिर पूछा — "बेटे वे कैसी दिखायी देती थीं।"

बेटा बोला — "बहुत ही चंचल और चुस्त।"

मॉ ने कहा — "तब वे हमारे घर की नहीं हो सकतीं।"

बेटा बोला — "हॉ वह तो वे नहीं थीं। पर मॉ वे थीं बहुत बढ़िया स्त्रियॉ।"

अब वे बढ़िया स्त्रियॉ फिर उसी सड़क पर आ रही थीं। वे उस स्त्री के घर की ओर आयीं और उससे थोड़ा पानी मॉगा। लड़का घर के अन्दर भाग गया और एक घड़ा भर कर पानी ले आया। उन्होंने घड़ा अपने चेहरे पर पड़े परदे के नीचे रखा और पानी पिया। वह पानी ऐसे पी रही थीं जैसे वे पानी के बिना मरने वाली हों।

छोटा लड़का उनको बड़े ध्यान से देख रहा था। वह ज़ोर से चिल्लाया — "मॉ मॉ। तुम क्या सोचती हो। ये पानी पी नहीं रही हैं बल्कि ये तो पानी को कहीं और ले जा रही हैं।"

उसकी मॉ बोली — "मुझे लगता है कि बड़े लोग शायद इसी तरह से करते होंगे।"

उसके बाद उन दोनों स्त्रियों ने थोड़ी सी मक्का की रोटी[31] मॉगी। उन्होंने उसको भी ऐसे ही खाया जैसे उसके लिये भी वे मरी जा रही हों। इस बार भी लड़का उन्हें खाते देखता रहा फिर बोला — "मॉ। तुमने देखा कि इनके दॉत कितने लम्बे हैं।"

उसकी मॉ फिर बोली — "बेटा। शायद बड़े लोगों के ऐसे ही होते होंगे।"

[31] Translated for "Pone" – unleavened cornbread in the form of flat oval cakes or loaves, originally as prepared with water by North American Indians and cooked in hot ashes. In India also people cook corn/maize bread like this. It is very popular in Punjab and Western UP.

उसके बाद उन स्त्रियों ने हाथ धोने के लिये पानी मॉगा। जब वे हाथ धो रही थी तो बेटे ने फिर कहा — "मॉ तुमने देखा कि इनकी बॉहों और हाथों पर कितने बाल थे।"

मॉ ने फिर वही कहा — "बेटा बड़े लोगों के शायद ऐसे ही होते होंगे।"

उसके बाद स्त्रियों ने मॉ से विनती की कि वह अपने बेटे को उनके साथ उस जगह तक भेज दे जहॉ से सड़क दो ओर जाती थी। पर छोटा लड़का उनके साथ नहीं जाना चाहता था।

वह बोला — "मॉ। बड़े लोगों को यह बताने की जरूरत ही नहीं होती कि सड़क कहॉ से दो तरफ जाती है।"

पर मॉ ने फिर वही कहा कि "शायद बड़े लोगों को यह जरूरत पड़ती होगी।" और उससे उन्हें रास्ता दिखाने के लिये कहा।

यह सुन कर लड़का भुनभुनाने लगा और रोने लगा क्योंकि वह उन स्त्रियों के साथ नहीं जाना चाहता था। पर उसकी मॉ ने कहा कि उसे उन ऊॅची स्त्रियों के आगे जाने में कोई शर्म नहीं आनी चाहिये और फिर क्या पता कि उसे अपनी बहिन के बारे में कुछ पता चल जाये और वह उसे वापस ला सके।

अब इस लड़के के पास दो बहुत ताकतवर कुत्ते थे। उनमें से एक का नाम था "मिनीमिनी मैक" और दूसरे का नाम था "फौलरलिन्स्को"। दोनों इतने भयानक कुत्ते थे कि उन दोनों को

दिन रात बॉध कर रखना पड़ता था। वे दोनों तभी खोले जाते थे जब उनको शिकार पर ले जाया जाता था।

सो वह लड़का गया और एक बर्तन में पानी ले आया और उसे फर्श के बीच में ला कर रख दिया।

फिर वह गया और एक विलो पेड़ की टहनी ले आया। उसने उसे फर्श में गाड़ दिया। फिर उसने अपनी मॉ से कहा — "जब उस बर्तन का पानी खून में बदल जाये तब तुम मिनीमिनी मोराक और फौलरलिन्स्को को खोल देना। और जब तुम इस टहनी को हिलते हुए देखो तो उन्हें मेरे पीछे भेज देना।"

स्त्री ने कहा कि ठीक है वह उसके कुत्तों को खोल देगी। फिर लड़के ने अपनी जेबों में हाथ डाले जैसे कि और बच्चे करते हैं सीटी बजाता हुआ सड़क पर चल दिया सिवाय इसके कि वह दूसरे बच्चों से बहुत ज्यादा चुस्त था। वे ऊॅचे कुल की स्त्रियॉ उसके पीछे पीछे चल दीं।

जैसे जैसे वह आगे बढ़ता गया वह और तेज़ चलता गया इससे उन कुलीन स्त्रियों को भी तेज़ चलना पड़ा। इस तरह से चलते हुए उन्हें बहुत देर नहीं हुई थी कि लड़के ने उन्हें शिकायत करते सुना। जब उसने पीछे मुड़ कर देखा तो वे तो बुरी तरह से हॉफ रही थीं क्योंकि वे बहुत थक गयी थीं और उन्हें गर्म लग रहा था।

वह लड़का यह सोचने पर मजबूर हो गया कि ये स्त्रियॉ एक जंगली जानवर की तरह से कैसे हॉफ रही थीं पर फिर उसको लगा

कि शायद ये कुलीन स्त्रियॉ जब थकान और गर्मी महसूस करती होंगी तब इसी तरह से हॉफती होंगी।

सो उसने ऐसा बहाना बनाया जैसे उसने कुछ सुना ही नहीं। इसके अलावा भी वह उनसे विनम्र ही रहना चाहता था।

आखिर जब उन कुलीन स्त्रियों ने देखा कि वह लड़का उनकी तरफ देख ही नहीं रहा है तो लड़के ने देखा कि उनमें से एक तो अपने चारों हाथों पैरों पर नीचे गिर पड़ी और ऐसे चल रही थी जैसे कोई जंगली जानवर चल रहा हो। और कुछ ही देर में दूसरी स्त्री भी नीचे गिर पड़ी और वह भी अपने चारों हाथों पैरों पर।

लड़के ने सोचा "उफ़। अगर कुलीन स्त्रियॉ जब थक जाती हैं तब इस तरह से सुस्ताती हैं तो मैं सोचता हूॅ कि मेरे जैसा छोटा लड़का भी कुछ देर के लिये सुस्ता ले।"

सो उसने चारों तरफ देखा और फिर सड़क के किनारे का एक बड़ा सा पाइन का पेड़ देख कर उस पर चढ़ना शुरू कर दिया। जब दोनों ने लड़के को पेड़ पर चढ़ते देखा तो वे बोलीं — "हे भगवान। अभी तुम क्या करने वाले हो?"

लड़का बोला — "मैं भी थोड़ा सुस्ताना चाहता हूॅ।"

स्त्रियॉ बोलीं — "तुम जमीन पर क्यों नहीं सुस्ताते?"

लड़का बोला — "मैं वहॉ जा कर सुस्ताना चाहता हूॅ जहॉ थोड़ा ऊॅचा हो और ठंडा हो।"

कुलीन स्त्रियों ने पेड़ के कई बार चक्कर काटे। ऐसा लग रहा था जैसे वे पेड़ की ऊॅचाई नापने की कोशिश कर रही हों। कुछ देर बाद उन्होंने कहा — "ओ छोटे लड़के। अच्छा हो अगर तुम वहॉ से नीचे आ जाओ और हमें चौराहे तक का रास्ता दिखा दो।"

लड़का बोला — "अपने दॉये हाथ की तरफ चलती जाना आगे जा कर तुम्हें चौराहा मिल जायेगा। तुम उसे अनदेखा नहीं कर सकतीं। मुझे नीचे आने में डर लगता है क्योंकि हो सकता है कि मैं गिर पड़ूॅ और तुममें से किसी को चोट पहुॅचा दूॅ।"

कुलीन स्त्रियॉ बोलीं — "इससे पहले कि हम तुमहरी मॉ के पास जायें और उनसे तुम्हारी शिकायत करें कि तुम कितने खराब हो अच्छा यही होगा कि तुम नीचे उतर आ जाओ।"

छोटा लड़का बोला — "जब तुम मेरी शिकायत कर रही हो तो साथ में उनसे यह भी कह देना कि मैं कितना डरा हुआ हूॅ।"

यह सुन कर वे कुलीन स्त्रियॉ तो बहुत गुस्सा हो गयीं। उन्होंने गुस्से में भर कर उस पेड़ के फिर चक्कर लगाये। फिर उन्होंने अपनी अपनी टोपियॉ उतारीं और फिर अपने चेहरे के सामने के परदे हटाये और फिर अपनी पोशाक उतारी।

छोटे लड़के ने देखा कि लो वे तो दो बड़ा तेंदुआ थीं। दोनों की ऑखें बड़ी बड़ी और लाल थीं। उनके दॉत बहुत बड़े और तेज़ थे। बड़ी लम्बी पूॅछ थी। उन्होंने छोटे लड़के को घूर कर देखा और अपने दॉत दिखाये।

यह सब देख कर तो छोटा लड़का डर के मारे सिहर गया। उसके सारे शरीर में एक ठंडी लहर दौड़ गयी। उन्होंने पेड़ पर चढ़ने की कोशिश की पर क्योंकि उन्होंने पहले से ही अपने नाखून काट रखे थे ताकि वे दस्ताने पहन सकें सो वे पेड़ पर नहीं चढ़ सकीं।

सो उनमें से एक सड़क के बीच में बैठ गयी और रेत में एक अजीब सा निशान बनाने लगी जिससे दोनों की पूँछों ने कुल्हाड़ी का रूप ले लिया। और जैसे ही उनकी पूँछें कुल्हाड़ी में बदलीं कि वे उनसे वह पेड़ काटने लगीं जिस पर छोटा लड़का बैठा हुआ था।

मैं तो तुम्हें यह बताते हुए भी डरता हूँ कि वे कुल्हाड़ियॉ कितनी तेज़ थीं क्योंकि तुम मेरा विश्वास ही नहीं करोगे। उनमें से पेड़ के एक ओर खड़ी हो गयी और दूसरी दूसरी ओर।

और दोनों ने उस पेड़ पर कुल्हाड़ी ऐसे चलाना शुरू कर दिया जैसे वे कहीं छुट्टी मनाने आयी हों। वे तुम्हारे टोपों जितने बड़े बड़े लकड़ी के टुकड़े काट काट कर फेंक रही थीं। जल्दी ही पेड़ कट कर गिरने के लिये तैयार हो गया।

इस सारे समय छोटा लड़का बेचारा कॉपता हुआ यह सब देखता रहा। उसको लगा कि बस अब उसकी मौत तो होने ही वाली है। तभी उसे याद आया कि उसके जेब में कुछ अंडे रखे थे जिन्हें वह इसलिये ले कर आया था कि जब उसे भूख लगे तब वह उन्हें खा ले।

उसने एक अंडा अपनी जेब से निकाला और उसे तोड़ कर कहा "जगह भर जा।" और लो जहॉ जहॉ से पेड़ कटा था वह सब जगह भर गयी और वह पेड़ फिर वैसा का वैसा ही हो गया जैसा उनके काटने से पहले था। पर वे तो तेंदुए थे।

वे तेंदुए थे वे बहुत ताकतवर थे। उन्होंने अपने हाथों पर थूका और अपने हाथ काट दिये। उन्होंने उसे फिर से पेड़ काटना शुरू कर दिया।

जब फिर से पेड़ गिरने गिरने को हो रहा था तब छोटे लड़के ने दूसरा अंडा निकाला और फिर उसे तोड़ कर कहा "जगह भर जा।" पेड़ की कटी हुई जगह फिर से भर गयी और फिर से पेड़ वैसा का वैसा ही हो गया।

इस तरह से कुछ देर चलता रहा कि छोटा लड़का फिर से डर गया क्योंकि उसके सारे अंडे खत्म हो चुके थे और अब बस उसके पास एक ही अंडा रह गया था। इसको तोड़ने के बाद वह क्या करेगा। और वे जानवर तो बहुत भयानक थे।

उसी समय लड़के की मॉ का पैर पानी के उस बर्तन से टकरा गया जिसे वह विलो की डाल के पास रख कर आया था। बर्तन का पानी बिखर गया। मॉ ने देखा कि वह तो पानी नहीं बल्कि खून था। सब जगह खून बिखरा पड़ा था।

यह देखते ही वह अपने बेटे के दोनों कुत्तों को खोलने के लिये भागी। कुत्तों को खोलने के बाद उसने देखा कि विलो की डाल भी

कॉप रही थी। सो उसने उन्हें उसी रास्ते पर भेज दिया जिस रास्ते पर उसका बेटा गया था। वे भी तुरन्त ही उस रास्ते पर भाग गये।

छोटे लड़के ने अपने कुत्तों के आने की आवाज सुन ली वह चिल्लाया — "मेरे प्यारे कुत्तों यहॉ आओ इधर आओ।"

तेंदुओं ने यह आवाज सुन कर तुरन्त ही पेड़ काटना बन्द कर दिया और चारों ओर देखने लगे। एक ने दूसरे से पूछा कि उसे क्या सुनायी दे रहा है तो छोटा लड़का बोला — "तुम्हें कुछ सुनायी नहीं दे रहा तुम लोग आराम से पेड़ काटते रहो।"

तेंदुओं ने कुछ देर तक पेड़ और काटा पर तब उनको लगा कि कुत्ते आ रहे हैं। उन्होंने वहॉ से जल्दी से जल्दी भाग जाने की अपनी हर सम्भव कोशिश की पर अब कोई फायदा नहीं था।

उनके पास इतना भी समय नहीं था कि वे अपनी कुल्हाड़ियों को अपनी पूछों में बदल लें। और क्योंकि वे कुल्हाड़ियों के साथ भाग नहीं सकते थे सो कुत्तों ने उन्हें पकड़ लिया।

छोटा लड़का बोला — "उनको पकड़ लो खूब ज़ोर से हिलाओ और उन्हें काटो। उन्हें घसीटो जब तक कि तुम उन्हें दो मील तक घसीट कर न ले जाओ।" सो कुत्ते उनको घसीटते हुए दो मील तक ले गये।

उसके बाद छोटे लड़के ने कहा — "इनको खूब हिलाओ और फिर इनके टुकड़े टुकड़े कर दो। फिर इनको घसीट कर **10** मील

तक ले जाओ।" सो कुत्ते उनको घसीट कर 10 मील तक ले गये। और जब वे लौटे तब तक तो तेंदुए बिल्कुल ठंडे पड़ चुके थे।

उसके बाद छोटा लड़का पेड़ से नीचे उतरा और कुछ देर के लिये सुस्ताने के लिये नीच बैठ गया। फिर उसने सोचा कि जिन जानवरों के साथ उसने इतना मजा लिया अपने कुत्तों के साथ उसे उनके जंगल में जा कर देखना चाहिये अगर उसकी छोटी बहिन वहॉ मिल जाती है तो।

सो उसने अपने कुत्तों को बुलाया और उनके साथ जंगल में चल दिया। वे लोग अभी जंगल में बहुत ज़्यादा दूर तक नहीं गये थे कि उसे वहॉ एक मकान दिखायी दिया। यह मकान वहॉ अकेला ही खड़ा हुआ था।

कुत्ते उससे पहले ही वहॉ पहुँच गये और चारों ओर सूँघने लगे। फिर वे छोटे लड़के के पास वापस आ गये तो उसने देखा उनके बाल खड़े हुए थे। लड़के ने सोचा कि वह खुद ऊपर जा कर देखेगा कि वहॉ उन्होंने ऐसा क्या देखा जिससे वे पागल से हो गये।

सो उसने अपने कुत्तों को बुलाया और उनके साथ घर की ओर चला। जब वह ऊपर पहुँच तो उसने वहॉ देखा कि वहॉ तो एक छोटी सी लड़की बैठी हुई है और उसके पास लकड़ी और पानी रखा हुआ है।

लड़की बहुत छोटी और सुन्दर थी। उसका रंग बिल्कुल दूध जैसा सफेद था और लम्बे पीले बाल थे पर उसके कपड़े सब फटे

हुए थे। वह बहुत ज़ोर से रो रही थी क्योंकि उसे बहुत भारी काम करना पड़ रहा था।

छोटे लड़के के दोनों कुत्तों ने उस लड़की को देख कर अपनी अपनी पूँछें हिलायीं जिससे लड़के ने पहचान लिया कि वह उसी की बहिन है।

उसने उसका नाम पूछा तो उसे तो उसका नाम ही नहीं पता था क्योंकि वह उनको देख कर इतना डर गयी थी कि वह यही भूल गयी थी कि उसका नाम क्या है।

छोटे लड़के ने उससे फिर पूछा कि भगवान के लिये वह अपना नाम तो बताये तो वह फिर रोने लगी। छोटे लड़के ने पूछा कि वह इतना क्यों रो रही है तो वह बोली कि उसको इतना सारा काम करना पड़ता था।

छोटे लड़के ने पूछा कि वह घर किसका था तो उसने कहा कि वह घर एक बहुत बड़े काले बूढ़े भालू का था। यह भालू उससे हर समय पानी और लकड़ी मॅगवाता रहता था।

पानी वह एक बहुत बड़े बर्तन में भरती थी और लकड़ी उस बर्तन के पानी को गर्म करने के लिये जलाने के काम आती थी और बर्तन में वह उन लोगों को पकाता था जिन्हें वह अपने बच्चों को खिलाने के लिये पकड़ कर पकाने के लिये लाता था।

छोटे लड़के ने उसे यह नहीं बताया कि वह उसका बड़ा भाई था। उसने उससे बस यही कहा कि वह आज रात उसके पास भालू के साथ खाना खाने के लिये रुकने वाला था।

छोटी लड़की उससे रो कर बोली कि अच्छा है अगर वह वहॉ न रुके। पर छोटे लड़के ने कहा कि उसे भालू के साथ खाना खाने से डर नहीं लगता। सो वे दोनों घर के अन्दर गये तो लड़के ने वहॉ देखा कि वहॉ भालू के दो बड़े बड़े बच्चे हैं।

उनमें से एक बिस्तर पर बैठा हुआ है और दूसरा नीचे भट्टी के पास बैठा हुआ है। भालू के दोनों बच्चे छोटे भालू ही कहलाते थे पर छोटा भालू बच्चा उनसे बिल्कुल नहीं डर रहा था क्योंकि अगर उन्होंने अपनी ऑखें ज़रा भी घुमायीं तो उसके पास उसके दोनों कुत्ते थे।

पिता भालू तो अभी देर में आने वाला था सो छोटी लड़की उठी और उसका खाना लगाने लगी। छोटे लड़के और छोटी लड़की ने पहले एक भालू बच्चे को एक तरफ से खाया और फिर दूसरी तरफ से खाया फिर दूसरे बच्चे को भी इसी तरह से खाया।

खाने के बाद उसने छोटी लड़की से कहा कि वह समय बिताने के लिये उसके बालों में कंघी कर देता है। पर क्योंकि बहुत दिनों से उसके बालों में कंघी नहीं हुई थी इसलिये उसके बाल बहुत उलझे हुए थे। कंघी करते समय उसके बाल खिंचने लगे तो वह रोने लगी।

छोटे लड़के ने कहा कि उसका उद्देश्य उसको कोई तकलीफ पहुॅचाना नहीं था। सो उसने एक बर्तन में थोड़ा सा गर्म पानी लिया और उसे उसके बालों पर डाला। तब उसने उसके बालों में कंघी की और फिर उनको घुॅघराला किया। अब वे बहुत सुन्दर हो गये थे।

जब बूढ़ा भालू घर आया तो वह तो यह देख कर आश्चर्य में पड़ गया कि आज तो उसके घर में मेहमान आये हुए थे। और वे सब ऐसे बैठे हुए थे जैसे कि वे वहॉ रहने के इरादे से आये हों। पर उसने सबसे बड़ी विनम्रता से बर्ताव किया।

उसने सबसे हाथ मिलाया फिर वह आग के पास जा कर बैठ गया और अपने जूते सुखाने लगा। उसने अपनी फसल के बारे में पूछा और कहा कि मौसम बहुत ही अच्छा हो जाये अगर थोड़ी सी बारिश हो जाये तो।

फिर उसने छोटी लड़की के बाल अपने हाथ में लिये और उसके बालों की बहुत तारीफ की। फिर लड़के से पूछा कि वह कैसे इतने सुन्दर बाल बना सका और उन्हें घुॅघराला कर सका। छोटा लड़का बोला कि यह तो बहुत आसान है।

इस पर बूढ़े भालू ने कहा कि वह भी अपने बाल ऐसे ही घुॅघराले बनवाना चाहता था। छोटा लड़का बोला — "ठीक है। इस बड़े बर्तन में पानी भरो।" बूढ़े भालू ने बर्तन पानी से भर दिया।

इसके बाद छोटे लड़के ने कहा कि अब इसके नीचे आग जला कर इस पानी को खूब गर्म कर लो।

जब वह पानी उबलता गर्म हो गया तब छोटा लड़का बोला — "बस अब सब ठीक है। अब तुम अपना सिर इस गर्म पानी में डालो क्योंकि बालों को अच्छा घुँघराले बनाने का यही एक तरीका है।"

छोटे लड़के की बात मान कर बूढ़े भालू ने अपना सिर उस उबलते हुए पानी के बर्तन में डाल दिया।

बस यह उसका अन्तिम पल था। उस जलते हुए पानी ने बूढ़े भालू के बाल तब तक घुँघराले कर दिये थे जब तक वे उसके सिर से नीचे नहीं गिर गये।

मुझे लगता है कि लोगों ने यहीं से यह अपनाया होगा कि वे भालुओं की चिकनाई अपने सिर पर लगायें।

उधर भालू बच्चे बहुत ज़ोर ज़ोर से रोये जा रहे और जब उन्होंने यह देखा कि जिस तरह से उनके पिता के साथ बर्ताव किया गया था वे उस छोटे लड़के और उसकी बहिन को काटने और खरोंचने की तैयारी में थे।

पर लड़के के दोनों कुत्तों ने उन दोनों को वहीं पकड़ कर रखा हुआ था। उनके खाने पीने के बाद अब वहॉ इतना भी नहीं बचा था जिससे किसी बिल्ली के बच्चे को भी खिलाया जा सके।"

उस छोटे बच्चे ने जो कहानी सुन रहा था पूछा — "फिर क्या हुआ?"

बूढ़े ने अपना चश्मा उतारा और उसे अपने कोट के पीछे के हिस्से से साफ करते हुए बोला — "जनाब। बस फिर छोटा लड़का अपनी छोटी बहिन को अपने घर ले गया।"

उसकी मॉ ने कहा कि अब वह फिर कभी किसी बड़े लोगों के लिये कोई दूकान नहीं खोलेगी क्योंकि ये बड़े लोग ऐसे ही होते हैं। कभी नहीं। फिर वे सब सुखी सुखी रहे और अगर वहॉ पर कोई युद्ध नहीं हुआ तो अभी भी रह रहे होंगे क्योंकि युद्ध बड़ी खराब चीज़ होती है।

List of Stories “Bluebeard Like Stories”

1. Bluebeard
2. King Bluebeard
3. Blue-Beard
4. How the Devil Married Three Sisters
5. Fitcher's Bird
6. The Chosen Suitor
7. The Brahman Girl That Marrieda Tiger
8. The Forbidden Chamber
9. Bluebeard- a Legend of Auvergne
10. Knight Goldbeard
11. Don Firriulieddu
12. The Little Boy and His Dogs

Books in "One Story Many Colors" Series

1. Cat and Rat Like Stories (20 stories)
2. Bluebeard Like Stories (8 stories)
3. Tom Thumb Like Stories (12 stories)
4. Six Swans Like Stories
5. Three Oranges Like Stories (9 stories)
6. Snow White Like Stories
7. Sleeping Beauty Like Stories
8. Ping King Like Stories – 3 parts
9. Puss in Boots Like Storie (15 stories)
10. Hansel and Gratel Like Stories (4 stories)
11. Red Riding Hood Like Stories
12. Cinderrella Like Stories in Europe (14+11 stories)
12. Cinderella in the World (21 stories)
13. Rumplestiltuskin Like Stories (22 stories)
14. Ali Baba and Forty Thieves Like Stories (4 stories)
15. Crocodile and Monkey Like Stories
16. Lion and Man Like Stories (14 stories)
17. Pome and Peel Like Stories (6 stories)
18. Soldier and Death Like Stories
19. Tees Maar Kahan Like Stories (11 stories)
20. Lion and Rabbit like Stories
21. Frog Princess Like Stories (7 stories)

देश विदेश की लोक कथाओं की सीरीज़ में प्रकाशित पुस्तकें —

इस कड़ी में 100 से भी अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तक सूची की पूरी जानकारी के लिये लिखें — hindifolktales@gmail.com

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हिन्दी ब्रेल में संसार भर में उन सबको निःशुल्क उपलब्ध है जो हिन्दी ब्रेल पढ़ सकते हैं।

1 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–1
2 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–2
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1
4 रैवन की लोक कथाऐं–1

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हार्ड कापी में बाजार में उपलब्ध हैं।

1 रैवन की लोक कथाऐं–1 — भोपाल, इन्द्रा पब्लिशिंग हाउस, 2016
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–2 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
4 शीबा की रानी मकेडा — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 160 पृष्ठ
5 राजा सोलोमन — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 144 पृष्ठ
6 रैवन की लोक कथाऐं — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2020, 176 पृष्ठ
7 बंगाल की लोक कथाऐं — देहली, नेशनल बुक ट्रस्ट, 2020, 213 पृष्ठ

Facebook Group
https://www.facebook.com/groups/hindifolktales/?ref=bookmarks

Updated in 2023

लेखिका के बारे में

सुषमा गुप्ता का जन्म उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में सन् **1943** में हुआ था। इन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से समाज शास्त्र और अर्थ शास्त्र में ऐम ए किया और फिर मेरठ विश्वविद्यालय से बी ऐड किया। **1976** में ये नाइजीरिया चली गयीं। वहाँ इन्होंने यूनिवर्सिटी औफ़ इबादान से लाइब्रेरी साइन्स में ऐम ऐल ऐस किया और एक थियोलोजीकल कौलिज में **10** वर्षों तक लाइब्रेरियन का कार्य किया।

वहाँ से फिर ये इथियोपिया चली गयीं और वहाँ एडिस अबाबा यूनिवर्सिटी के इन्स्टीट्यूट औफ़ इथियोपियन स्टडीज़ की लाइब्रेरी में **3** साल कार्य किया। तत्पश्चात इनको दक्षिणी अफ्रीका के एक देश लिसोठो के विश्वविद्यालय में इन्स्टीट्यूट औफ़ सदर्न अफ्रीकन स्टडीज़ में **1** साल कार्य करने का अवसर मिला। वहाँ से **1993** में ये यू ऐस ए आ गयीं जहाँ इन्होंने फिर से मास्टर औफ़ लाइब्रेरी ऐंड इनफौर्मेशन साइन्स किया। फिर **4** साल ओटोमोटिव इन्डस्ट्री एक्शन ग्रुप के पुस्तकालय में कार्य किया।

1998 में इन्होंने सेवा निवृत्ति ले ली और अपनी एक वेब साइट बनायी – www.sushmajee.com। तब से ये उसी वेब साइट पर काम कर रहीं हैं। उस वेब साइट में हिन्दू धर्म के साथ साथ बच्चों के लिये भी काफी सामग्री है।

भिन्न भिन्न देशों में रहने से इनको अपने कार्यकाल में वहाँ की बहुत सारी लोक कथाओं को जानने का अवसर मिला – कुछ पढ़ने से, कुछ लोगों से सुनने से और कुछ ऐसे साधनों से जो केवल इन्हीं को उपलब्ध थे। उन सबको देख कर इनको ऐसा लगा कि ये लोक कथाऐं हिन्दी जानने वाले बच्चों और हिन्दी में रिसर्च करने वालों को तो कभी उपलब्ध ही नहीं हो पायेंगी – हिन्दी की तो बात ही अलग है अंग्रेजी में भी नहीं मिल पायेंगीं।

इसलिये इन्होंने न्यूनतम हिन्दी पढ़ने वालों को ध्यान में रखते हुए उन लोक कथाओं को हिन्दी में लिखना प्रारम्भ किया। इन लोक कथाओं में अफ्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका के देशों की लोक कथाओं पर अधिक ध्यान दिया गया है पर उत्तरी अमेरिका और यूरोप के देशों की भी कुछ लोक कथाऐं सम्मिलित कर ली गयी हैं।

अभी तक **2500** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी है। इनको "देश विदेश की लोक कथाऐं" और "लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें" क्रम में प्रकाशित करने का प्रयास किया जा रहा है। आशा है कि इस प्रकाशन के माध्यम से हम इन लोक कथाओं को जन जन तक पहुँचा सकेंगे।

विंडसर, कैनेडा
2022